सूविचार

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।

दैनिक
इंटरनल न्यूज
सच की तह तक....

internalnews@gmail.com   www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 361 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, शुक्रवार 27 मार्च 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

श्री हनुमान लोक का लोकार्पण प्रदेश में रामराज्य की स्थापना के प्रति राज्य सरकार की आस्था का प्रकटीकरण

राज्य सरकार 'सच्चा वादा और पक्का काम' के ध्येय को साकार करते हुए बढ़ रही है संकल्प से सिद्धि की ओर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांढुर्णा जिले को जामसांवली मंदिर से दी 362 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार सच्चा वादा और पक्का काम के ध्येय को साकार करते हुए संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ रही है। उज्जैन में 3 साल पहले बाबा महाकाल का महालोक बना। उसके बाद प्रदेश में प्रमुख तीर्थ स्थलों को धाम के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। आज चैत्र नवरात्रि में पांढुर्णा के जामसांवली मंदिर में श्री हनुमान लोक सहित 362 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन अद्भुत अवसर है।

उन्होंने जामसांवली श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के विकास कार्यों के लिए घोषणा की तथा बताया कि यहां श्रद्धालुओं के लिए 10 बिस्तर का छोटा अस्पताल भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीराम नवमी के अवसर पर शुक्रवार को भोपाल से राजा रामचंद्र धाम ओरछा के लिए पीएमश्री हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ होगा। श्री हनुमान लोक का लोकार्पण प्रदेश में राम राज्य की स्थापना के प्रति सरकार की आस्था को प्रकट करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पांढुर्णा में स्थित जामसांवली मंदिर में श्री हनुमान लोक के प्रथम चरण के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 111 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत के 31 विकास कार्यों का लोकार्पण और 251 करोड़ 18 लाख रूपए की लागत के 33 विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूह की बहनों को ऋण

स्वीकृति पत्र और किसानों को पट्टों का वितरण किया। उन्होंने प्राकृतिक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पांढुर्णा जिले की पहचान संतरे की डलिया भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश केसाथ मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है। खाड़ी में युद्ध की स्थिति में प्रधानमंत्री भारत के स्वाभिमान के साथ विदेश नीति पर निर्णय ले रहे हैं। भारत सरकार के संकल्प से ही संकट के समय विदेशों में फंसे हजारों भारतीयों की स्वदेश वापसी संभव हो पाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्री हनुमान ने जीवन में बड़ी चुनौतियों का अडिग रहते हुए सामना किया। प्रभु श्रीराम ने संकट के समय जब भी हनुमान जी को याद किया, उन्होंने पल भर में समस्या का समाधान कर दिया। जय बजरंगबली से हमें सीख मिलती है कि जीवन में कभी भी विनम्रता को नहीं छोड़ना चाहिए। साथ ही मन-बुद्धि के साथ अपने शरीर के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नव गठित पांढुर्णा जिले में लंबे समय से कलेक्टर कार्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय की आवश्यकता थी। इसकी पूर्ति करते हुए अब पांढुर्णा को जिला पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालय के भवन की सौगात भी मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांढुर्णा जिले के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जामसांवली श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। पांढुर्णा में 10 एकड़ भूमि पर इंडोर और आउट डोर स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। जिले में नगरपालिकाओं के विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। पांढुर्णा जिले में महिला पुलिस थाना बनाया जाएगा। सौंसर में कृषि विकास केंद्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्हान नदी पर 30 करोड़ 50 लाख रूपए की लागत से बने पुल, मोहगांव से नांदनवाडी तक 22 करोड़ 68 लाख रूपए की लागत से बनी 24 कि.मी. लंबी सड़क, विभिन्न ग्रामों की नल-जल योजनाओं, नगर पालिका परिषद सौंसर के विभिन्न कार्यों, शासकीय महाविद्यालय पांढुर्णा में अतिरिक्त कक्ष और 4 ग्राम पंचायतों में अटल सेवा केन्द्रों का लोकार्पण किया।

संक्षिप्त समाचार

कभी नहीं किया राम मंदिर का विरोध :दिग्विजय सिंह

अयोध्या। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या पहुंच कर राम मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैंने मंदिर निर्माण का कभी विरोध नहीं किया, बल्कि इसके विपरीत मंदिर ट्रस्ट को दान दिया था। पत्रकारों के सवालों को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राम नवमी के शुभ अवसर पर, मैं सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। भगवान राम का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। राहुल गांधी के अयोध्या दौरे से जुड़े सवाल पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि उनसे (राहुल गांधी से) इसके बारे में पूछिए, उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अयोध्या के हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में दर्शन किए। इससे पहले मीडिया से बात करते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अयोध्या तब आता है जब भगवान उसे बुलाते हैं। उनको जब रामजी की बुलावा मिला तो वह यहां चले आए। उन्होंने कहा कि भगवान राम के दर्शन करने आएं और हनुमान जी के दर्शन न हों ये तो असंभव है।

संकट के बीच फ्रांस पहुंचे जयशंकर, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, जापान के विदेश मंत्रियों से होगी बात

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट और ईरान से जुड़े तनाव के बीच भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर 26 मार्च 2026 को फ्रांस पहुंचे हैं, जहां वे जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने वाले है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ईरान से जुड़े युद्ध और उसके कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधित हो रही अंतरराष्ट्रीय समुद्री आवाजाही के समाधान पर चर्चा करना है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, और यहां किसी भी तरह की रुकावट का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। हालांकि, ईरान ने भारत, रूस, चीन, इराक और पाकिस्तान के लिए इस मार्ग को खोलने की घोषणा की है, फिर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिरता सुनिश्चित करना आवश्यक बना हुआ है। बात दें कि भारत जी7 का सदस्य नहीं है, लेकिन वर्तमान अध्यक्ष फ्रांस ने विशेष आमंत्रण दिया है। जी7 में अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। बैठक फ्रांस के एबे डेस-वॉक्स-डे-सेर्ने में आयोजित हो रही है। इस दौरान जयशंकर अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा कर सकते हैं। इसके अलावा सऊदी अरब, ब्राज़ील और दक्षिण कोरिया को भी आमंत्रित किया गया है। सऊदी अरब के विदेश मंत्री की संभावित मुलाकात खास मानी जा रही है, क्योंकि वह भी ईरान से जुड़े तनाव से प्रभावित है। इस बार जी7 बैठक में एक विशेष सत्र पश्चिम एशिया संकट को समर्पित होगा।

शांति के लिए पहल नहीं कर रहा भारत, केंद्र के इस रुख से दुखी हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत को, अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और दोनों पक्षों से संबंधों को देखकर कूटनीतिक नेतृत्व करना चाहिए था। अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त मध्यस्थता के प्रयासों में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की भूमिका की खबरों पर प्रतिक्रिया देकर थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भारतीय सरकार के सतर्क रुख का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि नई दिल्ली एक रचनात्मक शांति पहल करेगा। थरूर ने कहा कि मुझे यह कहते हुए खेद हो रहा है कि फिलहाल हालात अच्छे नहीं हैं। यह हम सभी के लिए थोड़ा शर्मनाक है मैंने ईरान युद्ध पर मोदी सरकार के संयम और चुप्पी का समर्थन इसकारण किया था क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि केंद्र सरकार इसका इस्तेमाल शांति स्थापित करने के लिए करेगी और शांति की अगुवाई करेगी, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत को करना चाहिए।

मैं भी हर बेटे की तरह अपनी मां की सेहत को लेकर परेशान हूं, अस्पताल में सोफे पर सोया

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी पिछले दो दिनों से दिल्ली के सर गंगा राम हॉस्पिटल में भर्ती हैं। सोनिया को पेट और यूरिनरी इंफेक्शन के चलते मंगलवार रात को भर्ती कराया गया था। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी मां सोनियां गांधी की देखभाल के लिए अस्पताल में ही रहे। राहुल ने कांग्रेस के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि मैं हॉस्पिटल में अपनी मां के कमरे में एक छोटे से सोफे पर सो रहा था। मैं भी हर बेटे की तरह अपनी मां की सेहत को लेकर बहुत परेशान हूं। हालांकि केरल की नर्स ने मेरी मां का बहुत ख्याल रखा, जिससे उन्हें राहत मिली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल सोनिया की खराब तबीयत के चलते बुधवार को संसद भवन में हुई सर्वदलीय बैठक में भी शामिल नहीं हुए। वहीं, केरल में उनका दौरा भी रद्द कर दिया गया था। उनकी जगह मल्लिकार्जुन खड़गे गए। राहुल ने सभा को वर्चुअली संबोधित किया था। राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा कि अस्पताल में उन्हें सिर्फ एक चीज से सुकून मिला कि केरल की एक नर्स जो हर घंटे मेरी मां को देखने आती थी। वह मुस्कुराती थी और मां का हाथ पकड़ती थी। मैंने सोचा कि केरल की नर्सों ने कितने बेटों, बेटियों, भाइयों और बहनों को उनके सबसे मुश्किल पलों में सुकून दिया है। सुबह-सुबह, मैंने उनसे पूछा, क्या आप रात में सोती हैं, या पूरी रात काम करती हैं?

आंध्र प्रदेश बस-लॉरी में टक्कर, भीषण आग लगने से 13 जिंदा जले, कई गंभीर

मार्कपुर। आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसे में कम से कम 13 लोग जिंदा जल गए। यह हादसा हैदराबाद से पामुर जा रही निजी ट्रैवल बस की टिपर लॉरी से टकराने की वजह से हुआ। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक टक्कर के कारण भीषण आग लग गई, जिसने कुछ ही मिनटों में बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे यात्री अंदर फंस गए। वाहन पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। बचाव दल और स्थानीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया

गया, जबकि मृतकों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिला एसपी ने बताया कि आग लगने की इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आगे कहा कि दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक कई लोगों की हालत गंभीर है, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि बस में करीब 40 यात्री सवार थे। करीब 20 लोगों गंभीर रुप से झुलस गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वाहन जलकर राख हो गए। जानकारी के मुताबिक दुर्घटना में मरने वालों में ज्यादातर कनिगिरी और पामुर इलाकों के रहने वाले थे। स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे और घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया।

बंगाल में न्यायिक जांच 32 लाख मामले निपटाए, 13 लाख नाम और हटाए

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोलकाता में बताया कि अब तक कुल 76 लाख से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। पहले एसआईआर यानी मतदाता सूची जांच के दौरान 58 लाख नाम हटाए गए। इससे राज्य के कुल वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गए। अब जो नाम अंडर एडजुडिकेशन यानी न्यायिक जांच में थे। उनमें से 32 लाख मामले निपटाए गए हैं। इनमें से 40 फीसदी यानी करीब 13 लाख नाम और हटाए जा रहे हैं। दोनों मिलाकर कुल 76 लाख के करीब नाम लिस्ट से हटाए जा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभी भी 28 लाख मामले बाकी हैं। राज्य में 705 न्यायिक अधिकारी इन मामलों को निपटाने में लगे हैं। चुनाव आयोग ने सोमवार को पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी, जिसमें 10 लाख नाम अपलोड किए गए, लेकिन आयोग ने यह नहीं बताया कि इनमें से कितने हटाए गए जिस पर कई लोगों ने नाराजगी जताई। अगली लिस्ट हर शुक्रवार को जारी होगी। 29 लाख मामले हटाए गए थे लेकिन उनमें से सिर्फ एक तिहाई ही पहली लिस्ट में आ सके। वजह न्यायिक अधिकारियों की ई-साइन यानी डिजिटल हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी।

भूमि अधिग्रहण पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, आर्थिक बोझ के नाम पर उचित मुआवजा नहीं रोक सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाकर स्पष्ट किया कि मुआवजे और ब्याज की राशि सरकार या किसी प्राधिकरण पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ के आधार पर तय नहीं हो सकती। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर कहा कि उचित मुआवजा देना एक संवैधानिक अधिकार है, जिसे कमजोर नहीं किया जा सकता। यह मामला 2019 के फैसले से जुड़ा था, इसमें कहा गया था कि राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि

अधिग्रहण पर मुआवजा और ब्याज के प्रावधान केवल भविष्य में लागू होगा। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 4 फरवरी 2025 के अपने फैसले में इस पूर्वव्यापी रूप से लागू करने का आदेश दिया, जिससे पहले से अधिग्रहित जमीन के मालिकों को भी लाभ मिल सके। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत किसानों और भूस्वामियों को 9 प्रतिशत ब्याज का अधिकार है, न कि एनएचएआई अधिनियम के तहत सीमित 5 प्रतिशत।

इस फैसले के खिलाफ एनएचएआई ने यह कहकर पुनर्विचार याचिका दायर की थी कि इससे उस पर लगभग 29,000 करोड़ रुपये का भारी वित्तीय बोझ पड़ेगा, जबकि पहले यह आंकड़ा केवल 100 करोड़ रुपये बताया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने तर्क को खारिज किया।

मिडिल ईस्ट में तनाव कम होते ही लौटने लगे लोग, हवाई किराए ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से दुबई समेत कई शहरों में कामकाज सामान्य होने लगा है। ऐसे में बड़ी संख्या में भारतीयों को वापस अपने काम पर लौटने के लिए कहा जा रहा है, लेकिन फ्लाइट किराए में भारी बढ़ोतरी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मीडिया रिपोर्ट में ट्रैवल एजेंट्स के मुताबिक दिल्ली से दुबई जाने वाली इकोनॉमी क्लास की एकतरफा फ्लाइट का किराया 50,000 रुपए से शुरू है। वहीं, औसतन किराया 85,000 से 90,000 रुपए के बीच पहुंच गया है, जो 5 अप्रैल तक इसी स्तर पर रह सकता है। इसके बाद किराए में कमी आने की उम्मीद की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय एयरलाइंस की कुछ फ्लाइट्स सस्ती हैं, जिनका किराया करीब 40,000 से शुरू हो रहा है। हालांकि सीमित ऑप्शन और कम उड़ानों की वजह से ज्यादातर लोग महंगी फ्लाइट्स लेने को मजबूर हैं। ट्रैवल एजेंट्स का कहना है कि संयुक्त अरब अमीरात ने विदेशी एयरलाइंस की उड़ानों की संख्या सीमित कर दी है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में यात्री एमिरेट्स एयरलाइन का सहारा ले रहे हैं, जहां किराया ज्यादा हैं।

अफवाह

पेट्रोल खत्म होने की अफवाह

देशभर में पेट्रोल पंप पर गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारें

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश और गुजरात के बाद अब उत्तर प्रदेश और असम तक पेट्रोल-डीजल को लेकर भगदड़ देखने को मिल रही है। बीती रात प्रयागराज, गोंडा, सिद्धार्थनगर, हापुड़, देवरिया, संत कबीर नगर सहित कई जिलों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं।

हालांकि जिला प्रशासन लगातार लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और पर्याप्त स्टॉक होने की बात कह रहा है। प्रयागराज में पेट्रोल की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद अफवाह फैलने से पंपों पर भारी भीड़ जमा हो गई।

इस अफवाह के बाद लोग डर के कारण अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल कराने के लिए पहुंच गए, जिससे कई जगह अव्यवस्था की स्थिति बनी। इस तरह यूपी के देवरिया में भी सुबह से ही पेट्रोल खत्म होने की चर्चा फैल गई, जिसके बाद लोग पंपों पर उमड़ पड़े।

इसके बाद देवरिया की डीएम दिव्या मित्तल ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सुचारु है और किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। गोंडा में गुरुवार को पेट्रोल लेने वाले की भीड़ अचानक पंपों पर बढ़ी, दो एक पेट्रोल पंपों के बंद होने के कारण अफरातफरी मच गई, जिससे पंपों पर पेट्रोल भरवाने के लिए गाड़ियों की लंबी लंबी लाइनें लग गई। यह आलम तब है जब शहर के एक पेट्रोल पंप मालिक विजय तिवारी ने बताया कि हमारे पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। इसके बाद अपर जिला अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि जिले में पर्याप्त तेल का स्टॉक मौजूद है एडीएम ने बताया कि अफवाह फैलाने वालों पर कड़ा एक्शन होगा। मध्य प्रदेश के इंदौर में भी इसी तरह के हालात दिखाई दिए। इंदौर में पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर वायरल वीडियो और अफवाहों के बाद प्रशासन सख्त हुआ और अफवाह फैलाने वालों पर एफआईआर दर्ज करने की तैयारी की जा रही है।

ब्रिज कोर्स से मजबूत होगी विद्यार्थियों की शैक्षणिक नींव: डॉ. मनीष वर्मा

1 अप्रैल से कक्षा 9वीं के लिए विशेष ब्रिज कोर्स शुरू, रटने की बजाय समझ, जिज्ञासा और विश्लेषण पर जोर

नर्मदापुरम। विद्यार्थियों की बुनियादी शैक्षणिक नींव को मजबूत करने और उनमें तार्किक, विश्लेषणात्मक व वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उद्देश्य से जिले में कक्षा 9वीं के लिए 1 अप्रैल से ब्रिज कोर्स शुरू किया जाएगा। यह पहल विद्यार्थियों को केवल पाठ्यवस्तु तक सीमित न रखकर उन्हें विषयों की गहराई से समझ विकसित करने के लिए प्रेरित करेगी।

ब्रिज कोर्स के सफल संचालन के लिए जिले के मास्टर ट्रेनरों को 23 से 25 मार्च तक ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल की आयुक्त शिल्पा गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस दौरान अपर संचालक डॉ. मनीष वर्मा ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य केवल रटाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सीखने की स्वाभाविक प्रवृत्ति विकसित करना होना चाहिए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि आज की शिक्षा में जिज्ञासा, समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता को बढ़ावा देना बेहद आवश्यक है। ब्रिज कोर्स इसी दिशा में एक सार्थक पहल है, जो विद्यार्थियों को क्या पढ़ना है से आगे बढ़ाकर क्यों और कैसे पढ़ना है की समझ देता है। इससे छात्र विषयों को रटने के बजाय उन्हें जीवन से जोड़कर समझ सकेंगे।

डॉ. वर्मा ने बताया कि जब विद्यार्थी स्वयं प्रश्न पूछते हैं, चर्चाओं में भाग लेते हैं और गतिविधियों के माध्यम से सीखते हैं, तो उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और ज्ञान स्थायी बनता है। यही प्रक्रिया उन्हें केवल परीक्षा नहीं, बल्कि जीवन के लिए सीखने के लिए तैयार करती है।

लर्निंग गैप दूर कर मजबूत आधार

तैयार करना लक्ष्य

ब्रिज कोर्स का मुख्य उद्देश्य कक्षा 6 से 8 तक की मूल अवधारणाओं को दोहराकर विद्यार्थियों के लर्निंग गैप को दूर करना है। इससे कक्षा 9वीं के छात्रों की बुनियाद मजबूत होगी और वे आगे की पढ़ाई को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।

गतिविधि-आधारित शिक्षण के माध्यम से रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे कठिन विषय भी सरल बनेंगे।

नवाचार आधारित शिक्षण पद्धति

इस कोर्स में शिक्षक केवल अध्यापक नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे।

वाद-विवाद, समूह चर्चा, भूमिका-निर्वाह और प्रोजेक्ट वर्क जैसी विधियों से विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे शिक्षण प्रक्रिया रोचक और प्रभावी बनेगी।

तीन चरणों में होगा मूल्यांकन

ब्रिज कोर्स के अंतर्गत विद्यार्थियों का मूल्यांकन तीन चरणों में किया जाएगा—

बेसलाइन टेस्ट -1 अप्रैल से

मिडलाइन टेस्ट- 28 से 30 जून

एंडलाइन टेस्ट- 20 जुलाई

इन परीक्षणों के अंकों का 50 प्रतिशत अधिभार त्रैमासिक परीक्षा में जोड़ा जाएगा। सभी परिणामों की प्रविष्टि विमर्श पोर्टल पर की जाएगी।

प्राचार्य की अहम जिम्मेदारी

कोर्स के प्रभावी क्रियान्वयन में प्राचार्य की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वे विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ नियमित मॉनिटरिंग करेंगे।

विद्यार्थियों की कॉपियों की जांच, प्रगति पर हस्ताक्षर और सतत निगरानी के माध्यम से गुणवत्ता बनाए रखी जाएगी।

प्रशासन की सतत निगरानी

जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी ब्रिज कोर्स की नियमित मॉनिटरिंग करेंगे।

ऑनलाइन और ऑफलाइन निरीक्षण के माध्यम से शिक्षण कार्य, उपस्थिति और विद्यार्थियों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

अब सभी विषयों को शामिल किया गया

इस वर्ष ब्रिज कोर्स को और व्यापक बनाते हुए हिंदी, गणित और अंग्रेजी के साथ-साथ सामाजिक विज्ञान, संस्कृत और विज्ञान को भी शामिल किया गया है।

यह बदलाव विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिक्षा में बदलाव की दिशा में बड़ा कदम

यह अभ्यास-आधारित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सरल उदाहरणों और पर्याप्त अभ्यास के माध्यम से विषयों को समझने में मदद करेगा।

ब्रिज कोर्स न केवल रटने की प्रवृत्ति को समाप्त करेगा, बल्कि सीखने की संस्कृति को विकसित कर विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी, जिज्ञासु और समझदार बनाएगा, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा।

इटारसी में कांग्रेस का संगठन विस्तार: नवनियुक्त पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत, युवाओं और जमीनी कार्यकर्ताओं को मिली जिम्मेदारी

जिला अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने सौंपे नियुक्ति पत्र; बेरोजगार व झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ में कई नए चेहरे शामिल

इटारसी। जिला कांग्रेस कार्यालय में आज संगठन विस्तार को लेकर उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला, जहां नवनियुक्त कांग्रेस पदाधिकारियों का कांग्रेसजनों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। सुबह से ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कार्यालय पहुंचने लगे थे, जिससे पूरे परिसर में राजनीतिक सक्रियता और उत्साह का माहौल बना रहा।

कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि पार्टी में जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अवसर देना कांग्रेस की प्राथमिकता है और इससे संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी।

नियुक्तियों के तहत पंकज सोनपुरे को बेरोजगार प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ में भी कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं, जिनमें प्रणाती बाछाड को जिला उपाध्यक्ष, अशोक सोनी को नगर अध्यक्ष, सचिन भाट एवं विनोद साहू को जिला महामंत्री तथा मोहम्मद सरताज एवं श्रीमती पायल यादव को जिला सचिव पद पर नियुक्त किया गया।

जिला अध्यक्ष पांडेय ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि वे पार्टी की विचारधारा को आमजन तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर आगामी चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आह्वान भी किया। इस मौके पर बेरोजगार प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नितेश सोलंकी का भी विशेष रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओम सेन, धर्मेंद्र मालवीय, पूर्व पार्षद लखन राठौर, शेख रमजान, राम नारायण गौर, अनिल बस्तरवार, अमल सरकार, अनिल रैकवार, चंद्रकांत बहारे, प्रमोद कलोसिया, सुशील बस्तरवार, संतोष बामने, मयंक कलोसिया और सुनील डोंगरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए पार्टी को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कार्यक्रम की जानकारी दी।

केसला में AI का पाठ: 65 शिक्षकों ने सीखी डिजिटल शिक्षण की नई तकनीकें

नर्मदापुरम। इटारसी/ जिला शिक्षा केंद्र, नर्मदापुरम द्वारा संचालित डिजी-उड़ान (Digi-Udaan) पहल के अंतर्गत केसला विकासखंड में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence – AI) विषय पर एक महत्वपूर्ण ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में विकासखंड के विभिन्न शासकीय विद्यालयों से कुल 65 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आधुनिक डिजिटल शिक्षा की दिशा में एक सशक्त कदम बढ़ाया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुस्कान ड्रीम्स क्रिएटिव फाउंडेशन की विशेषज्ञ टीम द्वारा संचालित किया गया। प्रशिक्षण सत्रों का नेतृत्व संस्था की प्रतिनिधि रवीना एवं मुदित पाठक ने किया, जिन्होंने शिक्षकों को‹ढ्ढ के व्यावहारिक और उपयोगी पहलुओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का आयोजन जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) राजेश जायसवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मूलभूत अवधारणाओं को सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। इसमें‹ढ्ढ की परिभाषा, उसकी आवश्यकता, वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता तथा शिक्षा क्षेत्र में उसके प्रभावी उपयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि‹ढ्ढ के समावेश से शिक्षण प्रक्रिया अधिक रोचक, प्रभावी और छात्र-केंद्रित बन सकती है, जिससे विद्यार्थियों की समझ और सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार संभव है।

प्राचार्य ब्रदर बिनु चेरियन को जन्मदिन की शुभकामनाएं

मण्डला-जिला मुख्यालय में संचालित सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम मोंटफोर्ट विद्यालय परिवार द्वारा संस्था के प्राचार्य ब्रदर बिनु चेरियन को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, समस्त शिक्षकगण, अभिभावक एवं विद्यार्थियों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।विद्यालय परिसर में आयोजित एक सादगीपूर्ण कार्यक्रम में सभी ने ब्रदर चेरियन के नेतृत्व,मार्गदर्शन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की।वक्ताओं ने कहा कि उनके कुशल निर्देशन में विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने उनके स्वस्थ,सुखद एवं सफल जीवन की कामना करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

समाधान योजना का अंतिम मौका- सिर्फ 5 दिन शेष, लाखों उपभोक्ताओं ने उठाया सरचार्ज छूट का लाभ

हरदा। मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के द्वितीय एवं अंतिम चरण की समयसीमा अब 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई है, जिसके समाप्त होने में केवल 5 दिन शेष हैं। ऐसे में विद्युत विभाग ने बकायादार उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाते हुए अपना लंबित बिजली बिल जमा करें।

पिछले वर्ष 3 नवंबर से शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक लाखों उपभोक्ता लाभान्वित हो चुके हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया कि अब तक 7 लाख 62 हजार 753 बकायादार उपभोक्ताओं ने योजना में पंजीयन कराकर सरचार्ज में छूट का लाभ लिया है।

उन्होंने जानकारी दी कि योजना के तहत कंपनी को 701 करोड़ 91 लाख रुपये से अधिक की मूल राशि प्राप्त हुई है, जबकि 301 करोड़ 22 लाख रुपये का सरचार्ज माफ किया गया है।

यह योजना विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आई है, जो लंबे समय से बढ़ते सरचार्ज के कारण अपने मूल बकाया का भुगतान नहीं कर पा रहे थे। योजना के द्वितीय चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर उपभोक्ताओं को 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफी मिल रही है, जबकि किस्तों में भुगतान करने पर 50 से 60 प्रतिशत तक की छूट का विकल्प उपलब्ध है। विद्युत कंपनी ने सभी बकायादार उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए जल्द से जल्द योजना में शामिल होकर अधिकतम छूट का लाभ उठाएं।

जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण व्यवस्थाओं को बेहतर रखने के निर्देश

ग्वालियर। किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत जिले में संचालित बाल देखरेख संस्था सेवा भारती मातृछाया शिशु कल्याण केन्द्र का संयुक्त कलेक्टर श्रीमती जूही गर्ग ने किशोर न्याय अधिनियम की धारा-54 के तहत गठित जिला स्तरीय निरीक्षण समिति व बाल कल्याण समिति द्वारा गुरुवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बालिका गृहों में व्यवस्थाओं को दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। बाल कल्याण समिति द्वारा सेवा भारती मातृछाया शिशु कल्याण केंद्र का निरीक्षण किया गया। यहां पर 9 बालक-बालिकाएं निवासरत मिले। सेवा भारती मातृछाया शिशु कल्याण केंद्र के पदाधिकारियों ने बताया कि 5 बच्चे को गोद देने की प्रकिया प्रचलन में है, जिनमें से 2 बच्चों को विदेश के माता पिता गोद लेंगे, जबकि 3 बलिकाओं को देश में ही माता-पिता गोद लेंगे। इसके बाद समिति ने श्री शिवाजी शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण समिति बालिका गृह का निरीक्षण किया। यहां पर 19 बालिकाएं निवासरत पाई गईं।

मातृछाया में ममता का संगम, यशोदा माताओं को मिला सम्मान

भोपाल। सेवा भारती मध्य भारत द्वारा संचालित मातृ छाया में महिला अधिकार मंच द्वारा यशोदा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें त्याग, सेवा और ममता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करने वाली यशोदा माताओं का सम्मान किया गया। ये यशोदा माताएं उन नवजात शिशुओं की देखभाल करती हैं जिन्हें समाज द्वारा छोड़ दिया जाता है और उन्हें एक सुरक्षित व स्नेहपूर्ण जीवन प्रदान करती हैं।कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ महिला अधिकार मंच की अध्यक्ष श्रीमती पूजा मंगतानी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने यशोदा माताओं के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनका सेवा भाव और त्याग समाज के लिए प्रेरणादायी है। वे न केवल बच्चों का पालन-पोषण करती हैं, बल्कि उन्हें संस्कार और उज्ज्वल भविष्य भी प्रदान करती हैं।कार्यक्रम में सेवा भारती मातृछाया में कार्यरत सभी 18 यशोदा दीदी, अन्नपूर्णा दीदी एवं सहयोगी स्टाफ का तिलक लगाकर, श्रीफल एवं साड़ी भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही महिला अधिकार मंच की टीम द्वारा कन्या पूजन कर उन्हें भोजन एवं प्रसादी वितरित की गई। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने कहा कि ऐसे सम्मान कार्यक्रम मातृशक्ति को सशक्त बनाते हैं और उनमें नई ऊर्जा का संचार करते हैं, जिससे सेवा कार्यों में गुणवत्ता और समन्वय बढ़ता है।कार्यक्रम के अंत में डॉ. राम अवतार यादव ने आभार व्यक्त करते हुए महिला अधिकार मंच को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा सेवा भारती के कार्यों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सेवा और समन्वय को निरंतर मजबूती प्रदान करते हैं।इस अवसर पर निशिका लालवानी, ज्योति वस्ताना, मेघना सिंह, कोमल जैन एवं रंजना कालरा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। मातृछाया परिवार ने कार्यक्रम पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अनुलोम-विलोम - संतुलित श्वास, संतुलित जीवन: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। अनुलोम-विलोम प्राणायाम योग का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावी श्वास अभ्यास है। यह प्राणायाम नाड़ियों को शुद्ध करने का कार्य करता है, इसलिए इसे नाड़ी शोधन प्राणायाम भी कहा जाता है। इसमें एक नासिका से श्वास लेना और दूसरी से छोड़ना शामिल होता है, जिससे शरीर में ऊर्जा संतुलित होती है। अनुलोम-विलोम करने से मन शांत और स्थिर होता है। यह मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में सहायक है। नियमित अभ्यास से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और श्वसन तंत्र मजबूत होता है। यह हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इस प्राणायाम से शरीर में ऑक्सीजन का संचार बेहतर होता है। यह रक्त शुद्धि में सहायक है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। अनुलोम-विलोम करने से एकाग्रता और स्मरण शक्ति में भी वृद्धि होती है। यह विद्यार्थियों और ध्यान साधकों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। प्रातःकाल खाली पेट इसका अभ्यास करना सर्वोत्तम माना जाता है। शुरुआत में धीरे-धीरे और सहज गति से करना चाहिए। नियमित अभ्यास से शरीर, मन और आत्मा में संतुलन स्थापित होता है। अतः अनुलोम-विलोम प्राणायाम स्वस्थ, शांत और संतुलित जीवन का सरल एवं प्रभावी मार्ग है। अनुलोम-विलोम का अभ्यास करें, श्वास को संतुलित करें और जीवन में शांति, स्वास्थ्य व संतुलन का अनुभव करें।

भोपाल विमेन क्रिकेट लीग का फाइनल मुकाबला संपन्न

महेश्वरी इलेवन बनी विजेता, स्वस्थ नारी-स्वस्थ राष्ट्र का दिया संदेश

भोपाल। देव सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित भोपाल विमेन क्रिकेट लीग सीजन 3 के दूसरे दिन फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। यह आयोजन अंकुर खेल परिसर, भोपाल में स्वस्थ नारी स्वस्थ राष्ट्र थीम के साथ आयोजित किया गया।

फाइनल मैच महेश्वरी इलेवन और एडवोकेट इलेवन के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एडवोकेट इलेवन ने 71 रन का लक्ष्य निर्धारित किया। जवाब में महेश्वरी इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया और विजेता बनी। विजेता टीम महेश्वरी इलेवन को 11,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, जबकि उपविजेता एडवोकेट इलेवन को 7,000 का पुरस्कार दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे भाजपा मध्य प्रदेश के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल जी, बीसीसीआई (भोपाल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज) के अध्यक्ष गोविंद गोयल एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णा घाडगे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं चेक प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन बीसीसीआई (भोपाल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज) के सचिव श्री अजय देवनानी जी द्वारा किया गया। आयोजन की विशेषता यह रही कि इसमें बड़ी संख्या में गृहिणियों (गृहणी वर्ग) ने भाग लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया और यह संदेश दिया कि महिलाएं घर के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।

साधु वासवानी व मुकिता इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा पांचवीं व आठवीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा

संत हिरदाराम नगर। परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद एवं श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी की प्रेरणा से सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में आज कक्षा पांचवीं व आठवीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ जो शत-प्रतिषत रहा, इस परीक्षा में कुल 281विद्यार्थी सम्मिलित हुए। कक्षा पांचवीं में प्रथम सुमित पाल 96 प्रतिषत, द्वितीय लोकेष तोतलानी 94 प्रतिषत, तृतीय पायल जाटव 93.5 प्रतिषत एवं साधु वासवानी स्कूल के कक्षा आठवीं में कुषांत जैसल 94.8 प्रतिषत, द्वितीय प्रदीप विष्वकर्मा 92.8 प्रतिषत, तृतीय रामगोपाल नागर 92.5 एवं जतिन रीझवानी 92.5 प्रतिषत एवं मुकिता इंटरनेषनल स्कूल से प्रथम दीपिका सेन 94 प्रतिषत, द्वितीय निहारिका मीणा 93.83 प्रतिषत व अंजली विष्वकर्मा 93.83 प्रतिषत, तृतीय मीनाक्षी हासले 92.83 प्रतिषत अंक हासिल कर विद्यालय व नगर का नाम रोषन किया। विद्यालय के महासचिव कन्हैयालाल रामनानी ने सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए बताया कि विद्यालय से हमें ज्ञान प्राप्त होता है। जहां ज्ञान हैं वहां लक्ष्मी का निवास होता है। इस अवसर पर श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी ने विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ को बधाइयां देते हुए अपने संप्रेषित संदेष में कहा कि षिक्षकों का मार्गदर्षन एवं विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत से ही वार्षिक परीक्षा परिणाम शत-प्रतिषत् रहा है। आज का परीक्षा परिणाम हमारे पूरे वर्ष की मेहनत को सामने लाता है। इससे हमें अपने भविष्य की तैयारी करने में आसानी हो जाती है। सचमुच बच्चों की मेहनत रंग लाई है। बच्चों के अच्छे परीक्षा परिणाम से जितनी खुषी उनके माता-पिता को होती है उतनी ही खुषी षिक्षकों को भी होती है। हर माता-पिता का यही सपना होता है कि उनके बच्चे अच्छे पदों पर पहुंचे क्योंकि बच्चा जो कुछ भी बनता है उसमें सबसे बड़ा योगदान षिक्षकों व अभिभावकों का होता है। वार्षिक परीक्षा परिणाम के अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने विचार साझा करते हुए अपने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम का श्रेय ईष्वर की कृपा, सिद्ध भाऊ के सतत मार्गदर्शन, माता पिता के आषीर्वाद एवं गुरूजनों की कड़ी मेहनत को दिया। इस अवसर पर सुधार सभा के अध्यक्ष हीरो भाऊ, उपाध्यक्ष एसी साधवानी, महसचिव कन्हैया रामनानी, संचालक महेष दयारामानी, प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल, उपप्राचार्या स्वाति कलवानी, पीआरओ दीपा आहूजा एव शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को बधाईयां देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

भगवान सम्भवनाथ मंदिर में मोक्ष कल्याणक पर्व धूमधाम से मनाया गया

भोपाल। भोपाल के शिवनगर (छोला) स्थित 1008 सम्भवनाथ भगवान मूलनायक मंदिर में तृतीय तीर्थंकर भगवान सम्भवनाथ के मोक्ष कल्याणक पर्व को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सम्भवनाथ जिनालय के अध्यक्ष चक्रेश जैन ने पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन को बताया कि प्रातःकाल मंदिर में पूजन, अभिषेक तथा निर्वाण लाडू अर्पित कर आराधना एवं भक्ति का क्रम पूरे दिन चलता रहा। भक्तों के भजन-कीर्तन और स्तुति की मधुर ध्वनि से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो प्रत्येक हृदय में भक्ति का सागर उमड़ रहा हो और सभी श्रद्धालु भगवान सम्भवनाथ की भक्ति में लीन हो गए हों। इस विशेष अवसर पर नन्हे बच्चों की भक्ति भी आकर्षण का केंद्र रही। संध्या समय आयोजित पाठशाला में बच्चों ने बड़े उत्साह और आनंद के साथ भाग लिया। उन्होंने आरती, स्तुति और भक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त की। बच्चों की मासूम भक्ति और उत्साह ने पूरे वातावरण को और अधिक पवित्र एवं आनंदमय बना दिया।कार्यक्रम के दौरान सभी भक्तगण भगवान सम्भवनाथ की चतुर्थ कालीन चर्या का स्मरण करते हुए भक्ति में समर्पित नजर आए।

अभिव्यंजना गरबा महोत्सव के सप्तम दिवस पर भक्ति संध्या का भव्य आयोजन

भोपाल। कुशाभाऊ ठाकरे फाउंडेशन द्वारा आयोजित अभिव्यंजना गरबा महोत्सव के सप्तम दिवस पर भक्ति संध्या का भव्य एवं श्रद्धामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं गरबे का विधिवत पूजन कर किया गया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री राहुल कोठारी, श्री मनोरंजन मिश्रा (भाजपा मोर्चा प्रभारी, मध्यप्रदेश, भारतीय जनता पार्टी), श्री अभिक सूर (जनरल मैनेजर, दैनिक भास्कर), श्री अमित गिरी (डिप्टी जनरल मैनेजर, दैनिक भास्कर), श्री हीरेंद्र बहादुर सिंह (प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भाजपा), सुश्री नेहा बग्गा (प्रदेश प्रवक्ता, भाजपा), श्री अशोक सैनी (पूर्व जिला उपाध्यक्ष), श्री राकेश अग्निहोत्री (वरिष्ठ पत्रकार) सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस महोत्सव के सप्तम दिवस पर गुजरात के प्रसिद्ध गायक श्री तेजदान गढ़वी के सुरों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं दर्शकों को भावविभोर कर दिया और पूरा परिसर भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा।

इस अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे फाउंडेशन के संस्थापक एवं संयोजक श्री अंशुल तिवारी, कोषाध्यक्ष श्री आलोक पांडेय, श्री मोनू गोहल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

गरबा महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं कला प्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने भक्ति संगीत और सांस्कृतिक उल्लास से परिपूर्ण इस आयोजन का भरपूर आनंद लिया।

संगम तट पर बनेगा आधुनिक घाट, रेस्ट हाउस के पीछे 30 दुकानों का निर्माण, भूमिपूजन में जनप्रतिनिधियों व नागरिकों की रही मौजूदगी

आष्टा। नगर में विकास और विरासत के समन्वय को आगे बढ़ाते हुए नगर पालिका द्वारा दो महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। वार्ड क्रमांक 18 स्थित प्राचीन श्री पशुपतिनाथ मंदिर संगम तट पर नवीन घाट निर्माण एवं वार्ड क्रमांक 3 में रेस्ट हाउस के पीछे दुकानों के निर्माण कार्य की विधिवत शुरुआत की गई।

भूमिपूजन कार्यक्रम में नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, अंजनी चौरसिया, नपा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि भूरू खां, वार्ड पार्षद लता तेजपाल मुकाती सहित जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने कहा कि जहां विकास और विरासत साथ चलते हैं, वहीं प्रगति का असली उजाला होता है। उन्होंने कहा कि संगम तट वर्षों से आस्था का केंद्र रहा है और अब यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त घाट का निर्माण कर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यह कार्य केवल निर्माण नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का प्रयास है।

उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि निर्माण के बाद घाट की स्वच्छता और गरिमा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी होगी।

30 दुकानों से मिलेगा रोजगार का अवसर : रायसिंह मेवाड़ा ने बताया कि रेस्ट हाउस के पीछे रिक्त भूमि पर लगभग 30 दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इससे स्थानीय युवाओं और छोटे व्यापारियों को व्यवस्थित स्थान मिलेगा और शहर की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

करोड़ों की लागत से होंगे निर्माण कार्य : मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोद कुमार प्रजापति ने बताया कि संगम घाट का निर्माण जल संवर्धन योजना के तहत लगभग 1 करोड़ 7 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा, जिसमें पाथवे, गार्डनिंग, विद्युत पोल एवं पहुंच मार्ग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। वहीं रेस्ट हाउस के पीछे प्रस्तावित दुकानों का निर्माण करीब 1 करोड़ 87 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा।

ऋण 28 मार्च तक जमा, खरीदी 1 अप्रैल से- फंसे किसान, ब्याज का डर बढ़ा

भैरूंदा/सीहोर। जिले में किसानों के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। सहकारिता विभाग ने अल्पकालीन ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च तय कर दी है, जबकि समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी अब 1 अप्रैल से शुरू होगी। ऐसे में किसान बिना उपज बेचे ही ऋण चुकाने को मजबूर हैं।

0 प्रतिशत ब्याज का लाभ तभी, वरना 12 प्रतिशत देना होगा : सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को ऋण के साथ यूरिया खाद दिया जाता है। हर साल मार्च में यह राशि जमा करनी होती है।

28 मार्च तक भुगतान करने पर ही किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ मिलेगा

इसके बाद भुगतान करने पर 12 प्रतिशत ब्याज देना पड़ेगा : खरीदी लेट, भुगतान नहींज्ञ किसान कैसे चुकाएं ऋण?

पहले गेहूं खरीदी 16 मार्च से शुरू होनी थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 1 अप्रैल कर दिया गया है।

फसल अभी तक नहीं बिकी

भुगतान नहीं मिला

और ऋण जमा करने की तिथि पहले ही आ गई

इससे किसानों के सामने नकदी संकट खड़ा हो गया है।

1 अप्रैल से शुरू होगी खरीदी

सरकार के आदेश के अनुसार-

खरीदी 1 अप्रैल से शुरू होगी

समय- सुबह 8 से रात 8 बजे तक

सोमवार से शुक्रवार (अवकाश छोड़कर) खरीदी होगी

105317 किसानों ने कराया पंजीयन

समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने के लिए जिले के 105317 किसानों ने पंजीयन कराया है।

कुल रकबा लगभग 2,44,315.84 हेक्टेयर है।

किसानों का आरोप—सरकार नहीं चाहती लाभ मिले

किसानों का कहना है कि सरकार ने जानबूझकर ऐसी स्थिति बनाई है कि वे शून्य ब्याज योजना का लाभ न ले सकें। खरीदी की तिथि बढ़ाई गई, लेकिन ऋण अदायगी की तिथि में बदलाव नहीं किया गया।

विपक्ष भी हमलावर

कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल शर्मा ने कहा कि सरकार किसानों को राहत देने के बजाय उन पर कर्ज का बोझ बढ़ा रही है।

चैत्र नवरात्रि पर घर-मंदिरों में आस्था का संगम

भोपाल। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी के दिन गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित इमली वाली माता खेड़ापति मंदिर में कन्या पूजन किया गया । इस अवसर पर कन्याओं के पैर पूजन कर उनको तिलक आरती कर उनको भोजन कराया गया।

भोपाल। मां वैष्णो धाम आदर्श नोदुर्गा मंदिर प्लेटिनम प्लाजा में महाष्टमी पर मां भगवती का महागौरी रूप में श्रंगार किया गया। इसके साथ ही यहां शतचंडी पाठ का हवन प्रारंभ होगा।

जैव विविधता हमारी विरासत, इसे समृद्ध करना हमारा कर्तव्यः डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को सागर जिले के वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिज़र्व (नौरादेही) में संरक्षित प्रजाति के कछुओं को जल में विमुक्त कर जैव विविधता संरक्षण का नव संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने चीतों के पुनर्वास के लिए बनने वाले विशेष बाड़े (बोमा) का भूमि-पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार जंगलों और जल स्रोतों को समृद्ध बनाकर वन्य प्राणियों एवं जलीय जीवों के संरक्षण के लिए सतत् प्रयास कर रही है। उन्होंने विशेष रूप से साफ पानी वाली नदियों में कछुओं की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण और संवर्धन पर जोर देते हुए कहा कि इससे हमारे पारिस्थितिकीय संतुलन को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नौरादेही टाइगर रिजर्व को भविष्य में एक और बड़ी पहचान मिलने जा रही है। आने वाले समय में यह क्षेत्र मध्यप्रदेश में चीतों का तीसरा सुरक्षित आवास बनेगा। इससे मध्यप्रदेश के वन्य-जीव पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही हमारी जैविक सम्पदा और भी समृद्ध होगी। उन्होंने कहा कि प्रकृति और विकास के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में हमारी सरकार यह महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जन्म दिवस पर चीता पुनर्वास के लिए सॉफ्ट रिलीज बोमा (बाड़े) का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जलीय जीवों की समृद्धि के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दिखाते हुए यहां चंबल नदी और भोपाल से लाए गए 14 कछुए भी मुक्त विचरण के लिये बामनेर नदी में छोड़े। यह मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा नेशनल टाइगर रिजर्व है। जिसकी सीमाएं सतपुड़ा, कान्हा और पेंच राष्ट्रीय उद्यान से मिलती हैं। नौरादेही टाइगर रिजर्व में कई प्रकार के वन्यजीवों की प्रजातियों के लिए अनुकूल वातावरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। जंगल की सुंदरता हमारे वन्य जीवों से होती है। राज्य सरकार जीवोदया के संकल्प से कार्य कर रही है। जलचर, थलचर और नभचर सभी प्राणियों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बीते समय घड़ियाल और 25 कछुए कूनो-पालपुर में छोड़े थे और 5 गिद्धों को भी मुक्तावास में छोड़ा था। यह सभी प्रकार के जीवों के संरक्षण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रदेश में वन्य-जीव पर्यटन के विकास एवं विस्तार से ग्रामीण आबादी को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। टाइगर रिजर्व से मानवों को वन्यजीवों के साथ जीने और सहअस्तित्व की भावना का सहज प्रकटीकरण होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को अपने 61वें जन्म-दिवस पर सागर जिले की रहली तहसील स्थित वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में वन्य-जीव संरक्षण की दिशा में एक नई पहल की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टाइगर रिजर्व से गुजरने वाली बामनेर नदी में 14 कछुओं को उनके प्राकृतिक आवास में विमुक्त (रिलीज) किया। ये कछुए 2 विशिष्ट प्रजातियों के हैं। टेरा प्रिंस प्रजाति के 06 कछुए और सुंदरी प्रजाति के 08 कछुए। विशेषज्ञों के अनुसार, ये प्रजातियाँ नदी की स्वच्छता बनाए रखने और जलीय जैव-विविधता के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रकृति और वन्य-जीवों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने एम्स में उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों से मिलकर कुशलक्षेम पूछी

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने एम्स भोपाल पहुंचकर उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों से भेंट की और मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रही उपचार सुविधाओं की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने परिजनों से भी संवाद कर अस्पताल में उपलब्ध व्यवस्थाओं, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई और चिकित्सकीय सेवाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से उपलब्ध कराई जाएं।

खुरई में एक जिला एक उत्पाद निर्यात कार्यशाला, स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की पहल

भोपाल। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम द्वारा सागर जिले के खुरई में एक जिला एक उत्पाद निर्यात कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों एवं उत्पादकों को निर्यात की प्रक्रियाओं, संभावनाओं और शासकीय सहयोग तंत्र की समग्र जानकारी प्रदान करना रहा। विभिन्न निर्यात संवर्धन संस्थाओं और वित्तीय संस्थानों की सहभागिता से कार्यक्रम को व्यवहारिक एवं मार्गदर्शी स्वरूप मिला।

कार्यक्रम में कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय डाक विभाग, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के प्रतिनिधियों ने निर्यात से संबंधित आवश्यक पंजीयन, गुणवत्ता मानकों, पैकेजिंग, परिवहन व्यवस्था, वित्तीय सहयोग एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। उद्यमियों को यह बताया गया कि स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों को किस प्रकार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है। कार्यशाला में विशेष रूप से क्षेत्र के उत्पादों के लिए निर्यात की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। निर्यात जैसे निर्यात उन्मुख मॉडल के माध्यम से उत्पादों की पहचान, प्रमाणन और विपणन सहयोग की प्रक्रिया को स्पष्ट किया गया, जिससे उत्पादकों को बेहतर बाजार और प्रतिस्पर्धी मूल्य प्राप्त हो सकें।

अधिकारियों ने बताया कि एक जिला एक उत्पाद पहल का उद्देश्य प्रत्येक जिले की विशिष्टता को आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ना है। निर्यात को प्रोत्साहित कर स्थानीय उद्योगों को नई दिशा देने, आय वृद्धि सुनिश्चित करने और रोजगार के अवसरों का विस्तार करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।कार्यक्रम में उपस्थित उद्यमियों ने विभिन्न विभागों के साथ प्रत्यक्ष संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। यह आयोजन स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास सिद्ध हुआ।

मंत्री सारंग ने एशियन गेम्स के लिए तैयारियां शुरू की

खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के लिये प्रशिक्षकों को दी जिम्मेदारी

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने एशियन गेम्स में होने वाले वॉटर स्पोर्ट्स के प्रशिक्षकों से वन-टू-वन संवाद कर कहा कि प्रत्येक खेल में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करें, इसके लिये विशेष प्रशिक्षण दिया जाये। उन्होंने खिलाड़ियों की जरूरत और सुविधाओं पर ध्यान देने के निर्देश दिये। राज्य सरकार की ओर से किसी भी प्रकार की सुविधा या अपेक्षा हो, तो तत्काल बतायें। किसी भी प्रकार की परेशानी या समस्या होने पर भी नियुक्त अधिकारी से सतत सम्पर्क करें। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश की वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी में विश्व स्तर की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करते हुए खिलाड़ियों को विशेष रूप से तैयार करें। मंत्री श्री सारंग बुधवार को टी.टी. नगर स्टेडियम के मेजर ध्यानचंद हॉल में विभागीय अधिकारियों और प्रशिक्षकों के साथ सितम्बर माह में होने वाले एशियन गेम्स के संबंध में चर्चा कर रहे थे। उन्होंने वन-टू-वन संवाद कर प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, खिलाड़ियों की प्रगति और आवश्यक संसाधनों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री सारंग ने प्रशिक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बनाने को कहा। साथ ही प्रत्येक खिलाड़ी की व्यक्तिगत क्षमताओं के अनुरूप विशेष रणनीति तैयार करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने अगली बैठक में संभावित खिलाड़ियों के साथ सीधे संवाद कर उनका फीडबेक लेने के भी निर्देश दिये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर उनकी हौसला अफजाई की जाये, जिससे वे बेहतर परिणाम दे सकें। हमारा लक्ष्य है कि वॉटर स्पोर्ट्स में अधिक से अधिक अर्जित हों, इसके लिये सभी को समर्पण, अनुशासन और टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। खिलाड़ियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये प्रोत्साहित किया जाये।

मंत्री सारंग ने निर्देश दिये कि खेल की प्रत्येक गतिविधि की जानकारी की खबर विभिन्न समाचार माध्यमों से प्रकाशित एवं प्रसारित की जाये। एशियन गेम्स की गतिविधियों की जानकारी भी सोशल मीडिया और समाचार-पत्रों के माध्यम से समय-समय पर आती रहे। बैठक में खेल संचालक श्री अंशुमान यादव और संयुक्त संचालक श्री बी.एस. यादव भी उपस्थित थे।

संपादकीय

सिस्टम का 'शॉर्ट सर्किट': खराब उपकरण और संकरी गलियां बनीं 9 लोगों की मौत का कारण

दिल्ली में अनियोजित विकास की आपाधापी में जिस तरह से नियमों को धता बताया जाता रहा है, उसका नतीजा बार-बार किसी हृदयविदारक हादसे के रूप में सामने आता है। राजधानी के पालम इलाके की एक रिहाइशी इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। कुछ लोग बच गए, लेकिन बुरी तरह झुलसे हैं। बताया जा रहा है कि घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में शार्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। उस इमारत में भूतल और पहली मंजिल पर कपड़े और सौंदर्य प्रसाधन की दुकानें थीं, जिससे आग मिनटों में फैली। घर की बनावट ऐसी थी कि फंसे लोगों को बचाने की कोशिश नाकाम रही। साथ ही, मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों के खराब उपकरणों के कारण बचाव कार्य में देरी हुई। अगर विभाग की हाइड्रोलिक प्रणाली समय पर काम करती, तो कुछ लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इस अग्निकांड से कई पुराने सवाल उठ रहे हैं, जिन पर अक्सर चर्चा होती है और नतीजा सिफर रहता है। इस हादसे में सुरक्षा नियमों की अनदेखी और विफलता के सवाल अहम हैं। दिल्ली में ऐसी कई इमारतें हैं, जो मिश्रित आवासीय-व्यावसायिक हैं। अवैध कालोनियों में नियमों के अनुपालन की उम्मीद करना बेमानी है। राजधानी में अधिकांश जगहों की यही तस्वीर है। ऐसी जगहों पर किसी भी तरह का हादसा होने पर बचाव कार्य में प्राय- दिक्कत होती है। संकरी गलियों के कारण आग लगने पर दमकल गाड़ियां पहुंचने में समय लेती हैं। अनियोजित बस्तियों में आपातकालीन सेवाओं के प्रभावी ढंग से काम करने की अक्षमता कई बार उजागर हुई है। पालम में भी यह स्थिति दिखी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस तरह के इलाकों में आग लगने की घटनाओं की कई बार भयावह तस्वीरें सामने आई हैं। दो साल पहले विवेक विहार के एक अस्पताल में आग लगने से आठ शिशुओं की मौत हो गई थी। ऐसी सैकड़ों घटनाएं दर्ज की गई हैं। अक्सर, इमारतों में अग्नि सुरक्षा संबंधी इंतजाम नहीं होते। विद्युत प्रणालियां दोषपूर्ण होती हैं या भवन निर्माण संबंधी नियमों का उल्लंघन होता है। ऐसे हादसों में अक्सर प्रशासनिक उदासीनता, नगर निकायों में भ्रष्टाचार और विकासकर्ताओं तथा अधिकारियों के बीच सांठगांठ के तथ्य सामने आते हैं। सवाल उठता है कि आगे का रास्ता क्या हो? अधिकारियों को चाहिए कि वे आपदाओं के बाद नोटिस जारी करने से आगे बढ़कर सभी क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। दिल्ली में जनसंख्या घनत्व को देखते हुए, संकरी गलियों में अग्निशमन सेवाओं की पहुंच में सुधार और विद्युत अवसंरचना का उन्नयन आवश्यक है। पालम में जिस तरह की इमारत थी, वैसे भवनों के लिए अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) अनिवार्य किया जाना चाहिए। किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि भविष्य के लिए ठोस इंतजाम किए जाएं। दिल्ली सरकार ने अग्नि सुरक्षा आडिट की बात दोहराई है। जरूरी है कि काम धरातल पर दिखे। विडंबना यह है कि दिल्ली में आए दिन किसी न किसी इलाके में आग लगने और उसमें भारी नुकसान की खबरें आती रहती हैं, हादसे के बाद तमाम एजेंसियां खानापूर्ति करती हैं और नतीजा ढाक के तीन पात रहता है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की अपनी पहली बैठक की बुधवार को अध्यक्षता करते हुए पूरे शहर में व्यापक अग्नि सुरक्षा अंकेक्षण (ऑडिट) के निर्देश दिए। ये निर्देश दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके में एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने की घटना के बाद दिए गए जिसमें कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए हैं।

अनुसूचित जाति आरक्षण- जनजातीय बिना अधूरा है पर अच्छा है सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय

-प्रवीण गुगनानी

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने अनुसूचित जाति के संदर्भ में अत्यंत ही महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इस निर्णय से धर्मांतरण के अवैध व असामाजिक कृत्यों से देश को अंशत: मुक्ति मिलेगी। यद्यपि यह निर्णय अभी अधूरा है, जनजातीय समाज को भी इस निर्णय में सम्मिलित करने से ही देश आरक्षण के दुरुपयोग को रोक पायेगा, तथापि, इस निर्णय से भारत में आरक्षण कानून की आत्मा की अंशत: रक्षा तो होगी ही। यद्यपि यह निर्णय समय की माँग के अनुसार जनजातीय वर्ग को अपने प्रभाव में नहीं ले रहा है तथापि इस प्रकार के निर्णय की प्रतीक्षा देश का अनुसूचित जनजातीय समाज बड़ी आतुरता से कर रहा है।

शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति (स्ट) के अंतर्गत मिलने वाले आरक्षण का लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जो मूल रूप से उस सामाजिक-धार्मिक श्रेणी में बने रहते हैं। यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो वह स्वत: उस आरक्षण के अधिकार से वंचित हो सकता है, क्योंकि यह आरक्षण ऐतिहासिक सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर दिया गया है।

यह निर्णय केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को, सामाजिक संरचना को व हिंदुत्व के विरुद्ध चल रहे कुचक्र को रोकने वाला महत्वपूर्ण कदम है। स्वामी विवेकानंद ने धर्मांतरण की आग की आँच को भाँपकर ही कहा था – एक धर्मांतरण एक

देशद्रोही को जन्म देता है।

भारत में विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय जाति व्यवस्था को षड़यंत्रपूर्वक छिन्न-भिन्न किया गया था। विदेशी आक्रमणकारी चाहे वे मुस्लिम हों या अंग्रेज़ अपने लाभ के लिए भाले-भाले हिंदू समाज में जातियों के आधार पर मतभेद के बीज बोते रहे हैं और सत्ता की फसल काटते रहे हैं। विदेशी आक्रणताओं के षड्यंत्रों के परिणाम स्वरूप ही पराधीन भारत में कई जातियों को हिंदू समाज में घोर उपेक्षा, अनदेखी, अनादरण व अपवंचन का करना पड़ा था।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया है कि जब कोई व्यक्ति धर्म बदलता है, तो वह उस मूल सामाजिक ढांचे से बाहर आ जाता है, जिसके कारण उसे आरक्षण दिया गया था। यह सही भी है। विदेशी धर्मों को मानने वाले कई लोग धर्म बदलकर भी आरक्षण का लाभ उठा रहे थे जो कि आरक्षण कानून की मूल आत्मा के ही विरुद्ध है।

सर्वोच्च न्यायालय ने यह मंतव्य प्रकट किया है कि ईसाईत व इस्लाम में जाति व्यवस्था का उल्लेख ही नहीं है अत: जातिगत भेद-विभेद भी इन धर्मों में नहीं होते हैं। यह निर्णय ईसाई एवं इस्लामिक की मान्य मजहबी किताबों के आशय / दुराशय को ही आगे बढ़ाता है। बौद्ध, जैन, सिक्ख समुदाय को आरक्षण का लाभ पूर्ववत् मिलता रहेगा क्योंकि इनमें जाति व्यवस्था लागू है।

भारतीय समाज में मंथन चलता रहा है कि धर्मांतरण केवल आस्था का विषय है या इसके पीछे सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं। अधिकांश धर्म परिवर्तन के मामलों में यह देखा गया है कि गरीब और वंचित वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार या अन्य सुविधाओं के माध्यम से प्रभावित कर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता है। मतांतरण के पीछे केवल और केवल दुराशय ही होते हैं।

यह और कुछ नहीं अपितु भारत में जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ कर अपनी संख्या बढ़ाने समाज, सत्ता, व्यवस्था को मजहबी कानून से चलाने का एक षड्यंत्र है। लोकतंत्र में संख्या बल ही सत्ता को निर्धारित, नियंत्रित व नियमित करता है। धर्मांतरण कुचक्र का लक्ष्य अपनी संख्या बढ़ाने और टेक्टिकल वोटिंग के माध्यम से निर्णय प्रक्रिया में हावी होने का रहता है।

इस विषय में यह भी ध्यान देना चाहिए कि दो कथित धर्म की मूल व्याख्याओं में ही अपनी संख्या को येन केन प्रकारेण बढ़ाने का मूल लक्ष्य सम्मिलित है। यह एक प्रामाणिक तथ्य है जिसे हम इनकी मजहबी किताबों में सरलता दे देख सकते हैं। यहीं से मतांतरण एक राष्ट्र विरोधी कार्य बन जाता है। भारत में ईसाईयत एवं इस्लाम की विस्तारवादी दुष्प्रवृत्ति मतांतरण का प्रमुख कारण है। ईसाईयत एवं इस्लाम दुष्प्रवृत्ति ने भारत के जातीय वर्गीकरण में असंतोष, भेद, विभेद, मतभेद, दूरियों के बीज बोए और सत्ता हथियाकर भारतीय धन-संपदा, संसाधनों को भरपूर लूटा है। सर्विदित है कि भारत में निर्धन वर्ग को व अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के बंधुओं को लक्ष्य बनाकर ईसाई व मुस्लिम संस्थानों द्वारा धर्मांतरण कराया जा रहा है। यह धर्मांतरण लव जिहाद, लैंड जिहाद आदि जैसे आपराधिक तरीकों से कराया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी, कुछ सुविधाएँ, आदि देने के नाम पर बलात् मतांतरण के लाखों मामले देश के वायुमंडल में विष घोलते रहे हैं। डरा-धमकाकर, बहला-फुसलाकर भारतीय ग्रामीणों भी मतांतरण कराए जाने के लाखों मामले प्रतिवर्ष समाज में आते रहे हैं।

इस प्रकार के मामले सामने आने पर देश में अनेक बार सामाजिक शांति, सौहाद्र, सद्भाव बिगड़ता है व कानून व्यवस्था भंग होती है। मतांतरण के कारण देश में झगड़े, दंगे, बवाल होते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से आरक्षण का लाभ समाप्त होने के भय से मतांतरण की गति कम होगी। स्वाभाविक ही है कि धर्म परिवर्तन के साथ व्यक्ति का सामाजिक नेटवर्क, संस्थागत समर्थन और जीवनशैली बदल सकती है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या वह पहले जैसी सामाजिक वंचना का सामना कर रहा है या नहीं? इस निर्णय का स्वागत समूचा देश कर रहा है किंतु इसमें अभी कुछ और सुधार होना शेष है। स्ट के साथ-साथ यह नियम स्ञ्ज पर भी लागू होना चाहिए था। देश का जनजातीय समाज भी इन विदेशी व आयातित धर्मों के दुश्चक्र का बड़ा शिकार रहा है। देश का इतिहास साक्षी है कि वनवासी समाज को बड़ी मात्रा में शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक लालच, लव जिहाद, लैंड जिहाद, डरा-धमकाकर मतांतरण के कुएँ में धकेला जाता रहा है। सर्वोच्च न्यायालय को इस वन्दनीय निर्णय के आलोक में जनजातीय आरक्षण, मतांतरण आदि का अध्ययन करके स्वयं ही संज्ञान लेना चाहिए।

धार्मिक स्थलों को क्यों नही मिलती बंदरों से मुक्ति

-अशोक मधुप

धार्मिक स्थलों को बंदरों से क्यों नही मिलती मुक्ति। सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि इन स्थानों पर आने वाले श्रद्धालु कब तक इनके आंतक झेलते रहेंगे? कब तक इनका शिकार होते रहेंगे?

हाल में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु अपने कार्यकाल में 19 मार्च को वृंदावन आईं। वे दूसरी बार यहां आईं है। इससे पहले इसी पद पर रहते हुए प्रणब मुखर्जी व रामनाथ कोविंद भी अपने कार्यकाल में दो बार वृंदावन आए थे। लेकिन, राष्ट्रपति मुर्मु वृंदावन के तीन दिवसीय प्रवास पर आने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्रप्रसाद, ज्ञानी जैल सिंह एक बार वृंदावन आए। उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए डॉक्टर शंकरदयाल शर्मा, आर वेंकटरामन, डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी वृंदावन अपनी धार्मिक यात्रा पर आ चुके हैं।

निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी दो बार वृंदावन आए। आश्रय सदन में वृद्ध विधवा माताओं से मुलाकात करने आए थे। राष्ट्रपति पद पर रहते प्रणब मुखर्जी पहली बार 16 नवंबर 2014 को अक्षयपात्र में चंद्रोदय मंदिर के भूमि पूजन में आए तो दूसरी बार 18 नवंबर 2015 को चैतन्य महाप्रभु के वृंदावन आगमनोत्सव के पांच सौ वे वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में आए थे। राष्ट्रपति पद पर रहते ज्ञानी जैल सिंह 1987 में वृंदावन आए और रंगजी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे 1957 में देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद वृंदावन आए। उप राष्ट्रपति पद पर रहते 1985 में आर वेंकटरामन, 1993 में डॉ. शंकरदयाल शर्मा, 1959 में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन वृंदावन आ चुके हैं। राष्ट्रपति या कोई वीवीआईपी जब भी वृंदावन आता है। प्रत्येक बार उनकी सुरक्षा तो होती ही है। सबसे बड़ा काम होता है वीवीआईपी को यहां के झपटमार बदंर से बचाना। ये बंदर झपटामार कर श्रद्धालु का चश्मा उतारते और किसी ऊंची जगह पेड़ या दीवार पर जाकर बैठ जाते हैं। ये चश्मा तभी लौटाते हैं जब उन्हें खाने के लिए फ्रूटी, केला या दूसरे खाने के सामान दिए जाएं। वीवीआईपी दौरे को देखते हुए प्रशासन लंगूरों के जगह-जगह कट आउट लगवाता है। माना जाता है कि लंगूर से बंदर डरतें हैं। उन्हें डराने के लिए ऐसा किया जाता है। कुछ जगह लंगूर भी लाकर बांध दिए जाते हैं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु की सुरक्षा से लेकर रूट पर व्यवस्थाओं को दुरस्त करने के लिए जिला प्रशासन ने रात दिन एक कर दिया। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के दौरे को देखते एक प्रशासन ने लंगूरों

के जगह-जगह कट आउट लगवाए।

लेखक को चित्रकूट में हनुमान गढ़ी जाने का अवसर मिला। वहां रास्ते में बंदर और लंगूर मिलते और आपके कपड़े और बैग पकड़कर रोक लेते हैं। वे आपके बैग और जेब से खाने का सामान प्रसाद आदि निकालकर ही आपको आगे जाने देते हैं। शुक्रताल में तो हनुमान धाम में बंदरों को भगाने के लिए लंगूर बांधा हुआ था। बंदर उसके अभयस्त हो गए थे। उन्हें पता था कि रस्सी में बंधे लंगूर की पंहुच कहां तक हैं। बदंर आते और लंगूर की पंहुच की दूरी से अगल रहकर लौट जाते।

प्रश्न है कि वीवीआईपी के आने पर ही क्यों बंदरों को रोकने की व्यवस्था होती हैं। देश के आम आदमी को भी वीवीआईपी क्यों नही समझा जाता। उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तो सरकार की है। उसके लिए क्यों नही ऐसी व्यवस्थाएं होती। बंदर हम हिंदुओं की श्रद्धा है। हम उसे पवित्र मानते हैं। पूजनीय मानते है। इतना होने पर भी उसके भोजन की व्यवस्था क्यों नही करते। अयोध्या में बड़ी तादाद में बंदर है। हनुमान गढ़ी पर मैंने बंदरों को फूलों की माला तोड़कर उसमें भोजन के अंश तलाशते देखा है। इसी शहर में डस्टबिन से भोजन खोजते बंदर मुझे मिलें हैं। हमारी समाज सेवी संस्थाए क्यों नही इनके भोजन की जरूरत पूरी करती। बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बढती बंदरों की जनसंख्या को भोजन चाहिए। भोजन ने मिलने वह निरीह प्राणी अपना पेट भरने के लिए कुछ तो करेगा।

बंदरों के आतंक के कारण कई शहरों में तो महिलाओं और बच्चों का छतों पर जाना कठिन हो गया है। शहरों की नही अब तो जंगल में भी इनकी बढ़ती आबादी किसानों के लिए संकट बन चुकी है। भोजन के अभाव में बंदर खेतों की फसल तोड़कर खा रहे हैं। गेंहू की बाली खा जाते है। बोए गए गन्ने के बीज जमीन से निकाल कर वे अपनी उदरपूर्ति कर रहे हैं। किसान फसल की रक्षा को लेकर परेशान हैं। अब तो किसानों ने खेतों की रक्षा के लिए नौकर रखने शुरू कर दिए हैं। आज बंदरों का आंतक धार्मिक स्थलों के साथ अन्य स्थानों पर भी बढ़ता जा रहा है। शहरी आबादी के साथ किसान भी परेशान है। आज जरूरी हो गया है कि सरकार द्वारा बंदरों की आबादी कम करने के लिए अभियान चलाया जाए। बंदरों के ग्रुप लीडर की नसंबदी कराकर उनकी आबादी नियंत्रित की जाए। जनता के शोर मचाने पर बंदरों का पकड़कर जंगलों में छोड़ा जाना कोई स्थायी निदान नही है। ये जंगल और वनों से लौटकर फिर आबादी की ओर आ जाते हैं। बढ़ती बंदरों की आबादी को भोजन चाहिए।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है।

-ललित गर्ग

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का

नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंतत: हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंतत: नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है। हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है।

महाभाग्य राजयोग कैसे बनता है
किसे मिलेगी तरक्की और धनलाभ

महाभाग्य योग से जातक मान, सम्मान, पद, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि पाता है। यह योग लग्न, चंद्रमा और सूर्य की विषम स्थिति होने पर बनता है।

कैसे बनता है महाभाग्य योग

किसी महिला की कुंडली में चंद्र और सूर्य की सम राशि यानी वृषभ, कर्क, कन्या, वृशचिक, मकर और मीन राशि में होना चाहिए तब कुंडली में यह योग बनेगा। यदि किसी पुरुष जातक का जन्म लग्न, चंद्र और सूर्य की विषम राशि यानी कि मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि में होना चाहिए तब महाभाग्य राजयोग बनता है। यदि जन्म दिन में हो तो सूर्य का प्रभाव बढ़ जाता है। पुरुष की कुंडली में दिन का जन्म हो तो लग्न में मेष राशि में सूर्य और सप्तम तुला राशि में चंद्र हो तो महाभाग्य योग निर्मित होता है। स्त्री की कुंडली में कर्क लग्न में चंद्र और पंचम में सूर्य हो तो महाभाग्य योग बनता है। इसकी और भी कई स्थिति होती है।

वृषभ राशि - महाभाग्य राजयोग से आपके दिन पलट जाएंगे। नौकरी और करियर में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करेंगे। व्यापार में मुनाफा बढ़ जाएगा। अविवाहित हैं तो विवाह हो जाएगा। अचानक से धन प्राप्ति होगी या कोई बड़ा पद मिलेगा।

मिथुन राशि - आपके लिए यह महाभाग्य राजयोग आपके पराक्रम को बढ़ा देगा। अचानक से आपको धन की प्राप्ति हो सकती है। दांपत्य जीवन में सुख बढ़ जाएगा। व्यापारी हैं तो अटका रुपया हासिल करने में सफल होंगे। नौकरीपेशा हैं तो वेतनवृद्धि होगी।

कर्क राशि - महाभाग्य राजयोग आपको लंबी यात्रा का सुख देगा। व्यापारी हैं तो विदेश से भी ला होने की संभावना बढ़ जाएगी। भूमी, भवन या वाहन खरीद सकते हैं। करियर में सफलता हासिल होगी। नौकरीपेशा हैं तो पदोन्नति हो सकती है।

धनु राशि - आपके लिए यह राजयोग आर्थिक लाभ और महासुख लेकर आया है। व्यापारी है तो कोई बड़ी डील फायनल होगी। नौकरीपेशा हैं तो वेतनवृद्धि होगी। बेरोजगार हैं तो नौकरी मिलेगी। करियर में अचानक से सफलता हासिल होगी।

आत्मावलोकन और प्रभु की शरण में समर्पण का अवसर प्रदान करती है पापमोचिनी एकादशी

हर महीने आने वाली एकादशी का अलग अलग महत्व होता है। चैत्र मास की कृष्ण पत्र में आने वाली एकादशी का नाम पापमोचनी एकादशी है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। इस बार एकादशी तिथि दो दिन रहने के कारण पापमोचनी एकादशी व्रत को लेकर थोड़ा असमंजस की स्थिति बनी हुई है। दरअसल, 14 और 15 मार्च दोनों ही दिन एकादशी तिथि होने के कारण यह कंफ्यूजन है। मान्यता है कि इस व्रत को करने वालों को पाप से मुक्ति के साथ साथ भगवान विष्णु की कृपा भी प्राप्त होती है।

2026 में पापमोचनी एकादशी व्रत 15 मार्च (रविवार) को रखा जाएगा। चैत्र कृष्ण एकादशी तिथि 14 मार्च को सुबह 08:14 बजे शुरू होकर 15 मार्च को सुबह 09:15 बजे तक रहेगी, इसलिए उदयातिथि के अनुसार 15 मार्च को व्रत रखना श्रेष्ठ है। व्रत का पारण 16 मार्च को द्वादशी तिथि पर किया जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के 'पापमोचन' स्वरूप की पूजा की जाती है।

पापमोचिनी एकादशी का महत्व

पापमोचिनी शब्द दो भागों से मिलकर बना है, पाप और मोचिनी अर्थात पापों से मुक्त करने वाली। यह एकादशी उपवास के साथ साथ आंतरिक शुद्धि का साधन भी है। यह दिन आत्मावलोकन और प्रभु की शरण में समर्पण का अवसर प्रदान करता है। शास्त्रों में कहा गया है कि जो साधक इस दिन भगवान श्रीहरि की आराधना करता है, पूजा आके दौरान उन्हें तुलसी दल अर्पित करता है, भगवान की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करता है और भक्ति भाव से मंत्र-जाप करता है, उसके जीवन के समस्त कष्ट दूर होते हैं।

भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा से घर में सुख-समृद्धि, शांति और धर्म का वास होता है। इस दिन किया गया जप-तप और दान अनंत गुना फल प्रदान करता है।

पौराणिक कथा

पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार च्यवन ऋषि के पुत्र मेधावी ऋषि घोर तपस्या में लीन थे। उनकी तपस्या से देवलोक विचलित हो उठा। देवराज इंद्र ने अप्सरा मंजुघोषा को उनकी तपस्या भंग करने भेजा। मोह के प्रभाव में आकर ऋषि की साधना भंग हो गई और वे वर्षों तक सांसारिक आकर्षण में उलझे रहे। जब उन्हें अपनी भूल का बोध हुआ, तो वे अत्यंत दुखी हुए और पापों से मुक्ति का उपाय खोजने लगे। तब देवर्षि नारद ने उन्हें पापमोचिनी एकादशी व्रत का रखने का सुझाव दिया। विधिपूर्वक व्रत रखने तथा भगवान नारायण की आराधना से मेधावी ऋषि पुनः तपोबल प्राप्त कर पापों से मुक्त हुए।

व्रत विधि

- पापमोचिनी एकादशी का व्रत दशमी तिथि की रात्रि से ही प्रारंभ करना चाहिए।
- प्रातः काल ब्रह्ममुहूर्त में उठें, स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- घर के पूजा स्थल को साफ करें और उसमें भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।
- दीप, धूप, पुष्प, तुलसी दल और पंचामृत से पूजन करें।
- ऊ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।
- दिनभर फलाहार या निर्जल व्रत रखें।
- रात्रि में भजन-कीर्तन एवं विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।
- द्वादशी को प्रातः ब्राह्मण या निर्धन व्यक्ति को भोजन कराकर व्रत का पारण करें।
- व्रत के साथ मन, वचन और कर्म को पवित्र रखें।

पापों से मुक्ति के उपाय

- भगवान के सम्मुख अपने दोषों को स्वीकार कर क्षमा मांगें।
- तुलसी को जल अर्पित कर परिक्रमा करें।
- विष्णु सहस्रनाम या हरिनाम संकीर्तन करें।
- सत्य, करुणा और संयम का पालन करें।
- जरूरतमंदों की सहायता करें।

एकादशी पर दान की महिमा

सनातन परंपरा में दान को महान तप कहा गया है। कहा जाता हिय कि विशेष रूप से एकादशी के दिन किया गया दान अक्षय फल देने वाला माना गया है। अन्नदान, वस्त्रदान, गौदान या दक्षिणा इन सबका अपनी-अपनी जगह विशेष महत्व है। स्कंद पुराण में दान का उल्लेख करते हुए कहा गया है

न्यायोपार्जितवित्तस्य दशमांशेन धीमतः।
कर्तव्यो विनियोगश्च ईश्वरप्रीत्यर्थमेव च।।

अर्थात उचित साधनों द्वारा और श्रेष्ठ बुद्धि बल द्वारा अर्जित की गई संपत्ति में से 10वां भाग अपना कर्तव्य मानकर दान में दे देना चाहिए। अपने दान को भगवान की प्रसन्नता के लिए अर्पित करो।

दान के प्रमुख लाभ

- **पापों का क्षय:** पात्र व्यक्ति को किया गया दान संचित पापों को नष्ट करता है।
- **कर्मों की शुद्धि:** सेवा भाव से किया गया कार्य आत्मिक उन्नति का मार्ग बनता है।
- **ईश्वरीय कृपा:** दान देने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है।
- **मोक्ष का मार्ग:** व्रत और दान करने से जातक मोक्ष की दिशा में अग्रसर हो जाता है।

पापमोचिनी एकादशी आत्मशुद्धि और आत्मजागरण का दिव्य पर्व है। इस पावन अवसर पर व्रत, जप, ध्यान और दान का संकल्प लें। भगवान श्रीहरि की आराधना कर अपने जीवन को मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर बनाएं।

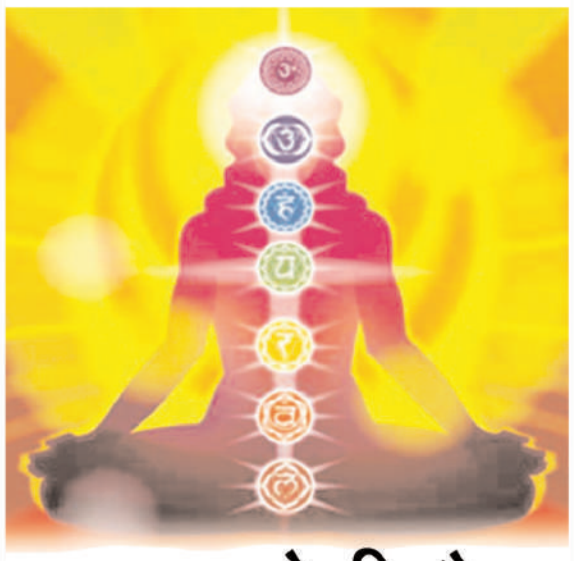

क्या होती है छठी इंद्री

छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।

- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुन्मा नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

स्वप्न में हनुमानजी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है

स्वप्न में हनुमानजी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है, लेकिन यह भी देखना होगा कि सपने में बजरंगबली आपको किस रूप और अवस्था में दिखाई देते हैं क्योंकि हर सपने के अलग अलग अर्थ होता है। हालांकि आमतौर पर हनुमानजी को सपने में देखने के अर्थ है कि उन पर आपकी कृपा बरसती है और वे कुछ संकेत देने चाहते हैं।

सपने में हनुमान जी को देखना

सपने में हनुमानजी का सामान्य रूप देखने के अर्थ है कि उनकी आप पर कृपा प्रारंभ हो गई है। सपने में यदि आप हनुमानजी का मंदिर देंखे या मूर्ति दिखाई दे तो समझ जाएं कि हनुमानजी की आप पर कृपा प्रारंभ हो चुकी है। इस सपने का अर्थ है कि जल्द ही आपको बड़ी सफलता मिलने वाली है। यदि कोई कानूनी मामले हैं तो उसमें भी विजय मिलने की संभावना है। यह आपके सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाएगा।

सपने में बालाजी को देखना

बालाजी हनुमाजी का बाल रूप है। यदि आपको उनका बाल रूप दिखाई दे तो इसका अर्थ है कि बहुत जल्द ही कार्यक्षेत्र में आपको कोई नया पद या जिम्मेदारी मिलने वाली है जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

सपने में बंदर को देखना

यदि आपको दो बार किसी बंदर के सपने आए तो आप समझ जाएं कि हनुमानजी की आप पर कृपा है।

सपने में हनुमान जी को गुस्से में देखना

यदि सपने में हनुमान जी का रौद्र रूप दिखाई दे तो इसका अर्थ है कि आपसे कोई बड़ी गलती हुई है। आपको क्षमा मांगकर अपनी गलती सुधारना चाहिए।

सपने में पंचमुखी हनुमान देखना

सपने में पंचमुखी हनुमान जी दिखाई देने के अर्थ है कि आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होने वाली है। आप अपने शत्रुओं को हराएंगे।

सपने में हनुमानजी की पूजा करना

यदि सपने आप हनुमानजी जी की पूजा या भजन कर रहे हैं और उनके समक्ष प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं तो आपके सभी कार्य पूर्ण होने वाले हैं और आपको मान सम्मान की प्राप्ति होगी।

सपने में हनुमानजी का प्रसाद खाना

किसी किर्तन में बैठकर हनुमानजी का प्रसाद खा रहे हैं तो आप पर हनुमानजी की विशेष कृपा है।

सपने में श्रीराम जी के साथ हनुमान जी को देखना

यदि आपको सपने में हनुमाजी या श्री राम जी किसी भी प्रकार से दर्शन दे तो समझ लें कि उनकी कृपा है आप पर।

सपने में भूतों से नहीं डरना

सपने में सपने में आप किसी भूत को देंखे और उससे आपको डर नहीं लगे तो समझें कि हनुमानजी की कृपा आप पर है।

सपने में हनुमान जी को उड़ते हुए देखना

इस सपने का अर्थ ये होता है कि आने वाले दिनों में आपको सफलता के साथ ही आनंद की प्राप्ति होने वाली है। कार्यक्षेत्र में आपका पद बढ़ने वाला है और इसी के साथ मान सम्मान भी बढ़ जाएगा। व्यापारी हैं तो बड़ा फायदे मिलने वाला है।

सपने में हनुमान जी को चोला चढ़ाना

सके अर्थ है कि नौकरी और व्यवसाय में तरक्की होगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में ऊंचाई को छूएंगे। आपका मान सम्मान बढ़ेगा।

सपने में हनुमान जी से बात करना

यदि आप किसी परेशानी से घिरे हुए हैं तो यह सपना इस बात का संकेत है कि आपको अपने किसी मित्र या परिजन से बात करनी चाहिए और समस्या का हल निकालने के लिए उनका साथ लेना चाहिए। आपकी दुविधा दूर होगी।

सपने में हनुमान जी का नाम लेना

इसका अर्थ है कि आप को कोई मदद मिलने वाली है और जल्द ही हनुमानजी आप पर कृपा करेंगे।

शहर के प्रमुख मार्गों से रामनवमी को निकलेगी शोभायात्रा

श्रीराम नवमी शोभायात्रा के संबंध में बैठक संपन्न

सतना। सतना शहर में पूर्व वर्षों की भांति श्रीराम नवमी के पावन पर्व पर श्रीराम जन्मोत्सव की भव्य शोभायात्रा 27 मार्च को आयोजित की जायेगी। श्रीराम जन्मोत्सव 27 मार्च को दोपहर 12 बजे श्री रामदरबार मंदिर सुभाष पार्क में मनाया जायेगा। इसी प्रकार शाम 5 बजे से श्री नानक दरबार, सिटी कोतवाली के पीछे से श्रीराम नवमी शोभायात्रा 2026 प्रारंभ होगी। शोभायात्रा के दौरान कानून और व्यवस्था, सुरक्षा एवं आवागमन के संबंध में बुधवार को अपर जिला दण्डाधिकारी विकास सिंह तथा पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह की उपस्थिति में आयोजक मण्डल और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। इस मौके पर महापौर योगेश ताम्रकार, उत्तम बनर्जी, हरिओम गुप्ता, सीएसपी देवेन्द्र सिंह, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, उपायुक्त नगर निगम सत्यम मिश्रा सहित विद्युत कंपनी के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीराम नवमी पर श्रीराम शोभायात्रा का शहर में 22वां आयोजन होगा। शोभायात्रा श्री गुरूद्वारा, नानक दरबार, जनकपुरी सिटी कोतवाली के पीछे से शाम 5 बजे प्रारंभ होकर अग्रसेन चौक, जय स्तम्भ चौक, बिहारी चौक, चौक बाजार, अहिंसा चौक, अस्पताल चौक, पुराना नगर निगम, पावर हाउस चौक, हनुमान चौक, फूलचंद चौक, गांधी चौक, सुभाष चौक होकर श्रीराम दरबार मंदिर सुभाष पार्क में पूर्ण होगी। शोभायात्रा समापन के पश्चात सायं 7 बजे भजन संध्या का आयोजन भी किया जायेगा। अपर कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को शोभायात्रा के मार्ग पर सुरक्षित आवागमन पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था एवं हनुमान चौक से फूलचन्द्र चौक तक बिजली की लटक रही तारो को ऊंचा कर व्यवस्थित करने संबंधी निर्देश दिये। शोभायात्रा के मार्ग पर पानी का छिड़काव करने तथा यात्रा के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये गये।

श्रीरामनवमीं के पावन अवसर पर प्राकट्य पर्व 27 मार्च को चित्रकूट में

लोक एवं भक्ति गायन के साथ नृत्य प्रस्तुतियों में दिखेगी श्रीराम की महिमा

सतना। भगवान श्रीराम के सम्बन्ध में पौराणिक मान्यताओं के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी अनेक आख्यान, जनश्रुति प्रचलित हैं, जो आम जनमानस में विश्वास के रूप में मान्य है। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव की गरिमा अनुरूप धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन सतना के सहयोग से 27 मार्च 2026 को सायं 7 बजे से भरत घाट चित्रकूट में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सांस्कृतिक स्वरूपों में श्रीराम की महिमा देखने को मिलेगी।

संचालक संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि श्रीराम नवमीं के पावन अवसर पर नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराने के उद्देश्य से विभाग द्वारा प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है। चित्रकूट में होने वाले कार्यक्रम में सर्वप्रथम बघेली लोक गायन की प्रस्तुति सुश्री स्नेहा मिश्रा मऊगंज द्वारा दी जाएगी। इसके बाद श्रीराम केन्द्रित नृत्य नाटिका सुश्री तरुणा सिंह ग्वालियर के निर्देशन में होगी। वहीं सुविख्यात भजन गायक शर्मा बंधु उज्जैन द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।

सीईओ जिला पंचायत ने किया भरत घाट का निरीक्षण

सतना। चैत्र नवरात्रि श्रीराम नवमी के अवसर पर गत वर्षों की भांति 27 मार्च को चित्रकूट का गौरव दिवस मनाया जायेगा। इस मौके पर सम्पूर्ण चित्रकूट में 21 लाख दीपों को प्रज्जवलित किया जायेगा तथा मां मंदाकिनी के भरत घाट पर श्रीराम प्राकट्य पर्व भी आयोजित होगा। चित्रकूट के गौरव दिवस मनाने की तैयारियों के संबंध में सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने तहसीलदार कमलेश सिंह भदौरिया और सीएमओ अंकित सोनी के साथ कार्यक्रम आयोजन स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं संबंधी निर्देश दिये।

नशामुक्ति जनजागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम संपन्न

सतना। केन्द्र सरकार की योजना नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग डिमांड रिडक्शन के अंतर्गत नशामुक्त भारत अभियान तथा मध्यप्रदेश शासन, सामाजिक न्याय विभाग के निर्देशानुसार बुधवार को व्यापक स्तर पर नशामुक्ति जनजागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय सतना तथा मैहर जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों के साथ-साथ शासकीय स्व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना, इंदिरा कन्या महाविद्यालय सतना, ए.के.एस. यूनिवर्सिटी सतना, विट्स इंजीनियरिंग कॉलेज सतना, शासकीय आईटीआई बिरला रोड सतना एवं शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नीमी रोड सतना में एक साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख कलाकार के.के. शुक्ला ने छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को विभिन्न नशीले पदार्थों (मद्यपान, नशीली दवाइयाँ एवं अन्य मादक पदार्थों) के सेवन से होने वाले गंभीर घातक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशे की लत के कारण चोरी, हत्या, दुष्कर्म, सड़क दुर्घटनाएँ जैसी घटनाएँ निरंतर बढ़ रही हैं। कई परिवार बिखर रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं और मानव शरीर धीरे-धीरे खोखला होता जा रहा है। इंदिरा कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य श्री ए.के. पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि मादक पदार्थों का सेवन करने वाले व्यक्तियों का मानसिक संतुलन पूरी तरह बिगड़ जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास तभी सार्थक होगा जब पूरा समाज नशे से दूर रहेगा।

एनएसएस प्रभारी डॉ. क्रांति रजौरिया एवं डॉ. आभा गोयल ने युवाओं को नशा न करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इस बुरी लत से छुटकारा पाने और भावी पीढ़ी को बचाने के लिए अभी से हर व्यक्ति को प्रयास करना होगा। उन्होंने सभी से अपील की कि नशामुक्ति का संदेश समाज के हर कोने तक मजबूती से पहुँचाया जाए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालयों के प्राचार्यगण, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बीरेन्द्र सिंह परिहार, डॉ. कामिनी सिंह, डॉ. रामभजन साकेत, डॉ. गरिमा सिंह, डॉ. वसुंधरा गुप्ता, हिमांशु द्विवेदी, प्रभात गुप्ता सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्राध्यापक भी मौजूद रहे।

जनगणना 2027 की तैयारी हेतु फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण निरंतर जारी

सतना। जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन को लेकर सतना जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जिले के फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 मार्च से 26 मार्च तक ई-दक्ष केंद्र सतना में आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कलेक्टर एवं मुख्य जनगणना अधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस. के नेतृत्व में आयोजित हो रहा है। उनके साथ अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी विकास कुमार सिंह तथा डिप्टी कलेक्टर एवं जनगणना ओआईसी जे.के. वर्मा का मार्गदर्शन भी मिल रहा है। प्रशिक्षण में नगर निगम सतना, रामपुर बाघेलान, नागौद और उंचेहरा के सभी फील्ड ट्रेनर्स शामिल हो रहे हैं। जिला मास्टर ट्रेनर डॉ. अनुराग वर्धन पांडेय और श्री उमेश चंद्र कुशवाहा द्वारा प्रतिभागियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. ने स्वयं उपस्थित होकर व्यवस्थाओं और प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने फील्ड ट्रेनर्स से संवाद कर जनगणना के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन भी दिया। बताया गया कि इस प्रशिक्षण के बाद यही फील्ड ट्रेनर्स जिले में जनगणना कार्य से जुड़े पर्यवेक्षकों और प्रगणकों को प्रशिक्षित करेंगे, जो जमीनी स्तर पर सर्वे कार्य को अंजाम देंगे। जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चैत्र नवरात्र मेला में नवाचार

खेरवसानी टोल प्लाजा पर नि:शुल्क चाय एवं जलसेवा जारी

मैहर। धार्मिक नगरी मैहर में इस समय नवरात्र मेला के पावन अवसर पर हर जगह प्याऊ एवं भंडारे आयोजित किए गए इस शुभ मौके खेरवसानी टोल प्लाजा भी पीछे नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से 20 मार्च से ही सभी श्रद्धालु भक्तों के लिए नि:शुल्क सेवा अभियान चलाया जा रहा है। श्रद्धालु चाहे पैदल हों या वाहनों में हों यह सेवा सभी श्रद्धालु भक्तों के लिए समान रूप से उपलब्ध है। खास बात यह है कि यह सेवा पिछले दो वर्षों से हर नवरात्रि मेला में लगातार की जा रही है, जिससे यह पहल अब एक परंपरा का रूप ले चुकी है।

इस दौरान श्रद्धालुओं को पानी और चाय की नि:शुल्क व्यवस्था दी जा रही है, वहीं बीच-बीच में फल केला इत्यादि एवं खिचड़ी का वितरण भी आवश्यकता अनुसार किया जा रहा है। लंबी दूरी तय करने वाले पैदल यात्रियों को इससे काफी राहत मिल रही है टोल प्लाजा पर तैनात टीम यात्रियों की सुविधा के साथ-साथ सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रख रही है और उन्हें सड़क किनारे सुरक्षित चलने व यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सेवा और समर्पण का सराहनीय उदाहरण बताया है।

90 प्रतिशत से कम ऋण वसूली की 67 सहकारी समितियों को नोटिस

सतना। कलेक्टर एवं प्रशासक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले की खरीफ 2025 में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की 90 प्रतिशत से कम वसूली करने वाली 67 सहकारी समितियों के प्रबंधक और सहायक समिति प्रबंधक को नोटिस जारी कर शाखा के माध्यम से अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है। जारी नोटिस में कहा गया है कि 27 मार्च तक शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करें, अन्यथा की स्थिति में समयावधि में ऋण वसूली नहीं होने पर संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

जिला सलाहकार समिति की बैठक आज

सतना। गर्भधारण प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी एण्ड पीएनडीटी) के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक 26 मार्च को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सतना में सायं 4 बजे से आयोजित की गई है।

निषाद राज की जयकारों से गूंजा नगर भजनों की धुन पर झूमे श्रद्धालु जन

पन्ना। निषादराज गुह जयंती पर निषाद माझी महासभा के तत्वाधान में नगर की शोभायात्रा का आयोजन किया गया शोभा यात्रा में महिलाओं बच्चों बुजुर्गों और युवाओं ने बड़ी संख्या में भागीदारी रही शहर में लोगों ने जगह-जगह फूल बरसा कर शोभा यात्रा में शामिल लोगों का सत्कार किया। शोभायात्रा प्रारंभ 3:00 निषाद राज भवन धर्मसागर तालाब के पास से हुआ यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होकर गुजरी और प्रमुख चौराहों एवं कोतवाली चौराहा बस स्टैंड पावर हाउस गांधी चौक अजयगढ़ चौराहा बड़ा बाजार गोविंद चौक होते हुए निषाद राज भवन पहुंची जहां सुबह यात्रा का समापन होगा यात्रा मार्ग स्थल को रंग बिरंगी रोशनी और झांकियां से सजाया गया।

शोभा यात्रा में निषाद राज जी की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही श्रद्धालुओं ने भगवान की प्रति अपनी आस्था और भक्ति का प्रदर्शन किया यात्रा के समापन पर मंदिर परिसर में पूजन प्रसाद वितरण किया गया जिला अध्यक्ष चाणक्य रैकवार ने बताया कि यह कार्यक्रम न केवल धार्मिक आस्था को प्रबल करता है बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को भी मजबूत बनाता है भक्त उत्साह पूर्वक शोभा यात्रा में शामिल हुए और पूरे नगर में भक्ति और उल्लास का का वातावरण बना रहा नगर वासियों ने आयोजकों को कोई सराहना की और कहा कि इस प्रकार की आयोजन आने वाले वर्षों में भी समाज में संस्कृति श्रद्धा और भक्ति की भावना को जीवित रखेंगे इस अवसर पर बच्चों और युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी ने उत्सव को और भी जीवंत और मनोरम बना दिया निशान जयंती समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए इस मऊ की पर निषाद मांझी महासभा के जिला अध्यक्ष संतोष चाणक्य रैकवार पार्षद कविता चाणक्य रैकवार पार्षद वेद प्रकाश रैकवार उपाध्यक्ष विक्रम रैकवार सतीश रैकवार गुड्डू रैकवार मुन्ना रैकवार अशोक रैकवार मनोज रैकवार रमेश रैकवार कल्लू बर्मन दीपक रैकवार सविता बर्मन गुड्डी बर्मन हिमांशु रैकवार हर्ष रैकवार शुभम रैकवार धीरेंद्र बर्मन आनंद रैकवार शिवम रैकवार वीरेंद्र रैकवार तुलसीदास कृष्णा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजेंद्र मिश्रा भी शामिल हुए एवं आरती पूजा पाठ स्वागत कर आशीर्वाद लिया। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष मीना विष्णु पांडे ने भी आरती पूजा पाठ कर आशीर्वाद लिया राम मंदिर राजा तिवारी राजेंद्र कुशवाहा राजकुमार वर्मा ने भी पूजा अर्चन की व लोगों जगह-जगह फूल वर्षा पूजा अर्चन खिचड़ी हलवा पोहा खिलाकर स्वागत किया।

जिला चिकित्सालय में मनाया गया विश्व टी वी दिवस

पन्ना। जिला टी वी एवम, एड्स कार्यक्रम नोडल अधिकारी डॉ जितेंद्र यादव के नेतृत्व में डीएसआरसी परामर्शदाता अखिलेश श्रीवास द्वारा दर्शना महिला कल्याण समिति लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना पन्ना एवं जिला चिकित्सालय पन्ना परामर्शदाता द्वारा भारत टी वी मुक्त कार्यक्रम अंतर्गत मनाया गया । शासन के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम जिसके अंतर्गत टी वी रोगी की पहचान जांच उनकी पोषण आहार, आर्थिक सहायता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया गया, टी वी पेशेंट का पूर्ण इलाज के लिए हम सभी संकल्पित हो, इसके लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता हैद्य कार्यक्रम में परामर्शदाता संध्या द्विवेदी भारती सेन मेघराज अहिरवार राजेश लालवानी रागिनी राजै, नीतू गुप्ता, सभी स्टाफ उपस्थित रहा ।

पैंतीस साल बाद पन्ना के फुलवारी ग्राम ट्रायल में पहुंची ट्रेन जिले के नेता श्रेय लेने में लगे

पन्ना। ललितपुर से सिंगरौली रेलवे लाइन की आधारशिला 1990 में रखी गई थी जो धीरे-धीरे कछुआ गति की चाल चलते हुए पन्ना जिले में पहुंच रही है अभी भी लगभग 5 वर्ष और लगने की संभावना है क्योंकि पन्ना से खजुराहो तक जोड़ा जाएगा 542 किलोमीटर लंबी लाइन है जो ललितपुर से प्रारंभ होकर टीकमगढ़ छतरपुर तथा खजुराहो तक पहुंची है इस तरफ सतना से लेकर सिंगरौली तक भी अभी पूर्ण नहीं हुई है सतना से लेकर पन्ना जिले के फुलवारी ग्राम तक ट्रेन का ट्रैक लगभग तैयार हो गया है जिस पर रेल विभाग के अधिकारियों द्वारा ट्रायल किया गया है उसके पूर्व ही वर्तमान नेताओं द्वारा श्रेय

लेना प्रारंभ कर दिया है जबकि ट्रेन का कार्य समान गति से लगातार चल रहा है इसमें किसी नेताओं की थर्राई नहीं है सामान्य गति से काम चल रहा है रेलवे विभाग अपने स्तर से कार्य का संचालन कर रहा है लेकिन ट्रायल होते हुए जिले के सांसद विधायक श्रेय लेने के लिए बयान बाजी में लग गए हैं और फोटो आज खिंचवाकर जनता को बताने लगे हैं कि हमने दिन रात मेहनत करके पन्ना जिले को रेलवे की सौगात दी है जबकि ललितपुर सिंगरौली रेलवे लाइन के लिए तत्कालीन सांसद लक्ष्मी नारायण चतुर्वेदी श्रीमती उमा भारती सत्यव्रत चतुर्वेदी सहित अन्य नेताओं का योगदान रहा है लेकिन फुलवारी तक ट्रेन आने से लोगों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है तथा लोगों को उम्मीद बंधी है जल्द ही पन्ना जिले के लोगों का रेल का सपना साकार होगा।

मेकैनिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों का कैंपस में चयन

पन्ना। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना के प्राचार्य अरविंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मेकैनिकल इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का चयन उज्जैन स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में दिनांक 10.02.2026 को आयोजित कैंपस प्लेसमेंट में प्रतिष्ठित बानको प्रोडक्ट्स इंडिया लिमिटेड कंपनी द्वारा किया गया है।

इस कैंपस चयन प्रक्रिया में मेकैनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच के अखिलेश कुमार लोधी, शिवांश विश्वकर्मा, ऋषभ गुप्ता, शुभम तिवारी तथा विकास कुमार गर्ग ने अपने तकनीकी ज्ञान, व्यावहारिक कौशल एवं आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप उनका चयन हुआ। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत और लगन का प्रमाण है, बल्कि महाविद्यालय में प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा का भी प्रतिफल है।

महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष उत्कर्ष कुमार श्रीवास्तव ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने यह भी बताया कि महाविद्यालय निरंतर उद्योगों से समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु प्रयासरत है।

इस अवसर पर संस्था की श्रीमति वर्षा प्रजापति, व्याख्याता सीएस तथा अतिथि व्याख्याता मेकैनिकल जे एल सिद्धार्थ तथा श्री सुरेन्द्र कुशवाहा, एवं लेब तकनीशियन राकेश कुमार द्विवेदी, देव ब्रत चतुर्वेदी तथा हरीश प्रसाद पाठक एवं स्टाफ ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं और भविष्य में भी इसी प्रकार की सफलताओं की अपेक्षा व्यक्त की।

शराब तस्करी मामले में बड़ी कार्रवाई, फरार पूर्व कांग्रेस नेता अजयपाल लोधी गिरफ्तार

पन्ना। जिले की मोहन्द्रा पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के मामले में फरार चल रहे पूर्व कांग्रेस नेता अजयपाल लोधी को गिरफ्तार कर लिया है। पिछले दिनों कथित कांग्रेस नेता अजयपाल लोधी को रात में पुलिस ने 8 पेटी शराब के साथ पकड़ा था जिसमें वह अंधेरे का फायदा उठाते हुए गाड़ी छोड़कर भाग गया था, तत्पश्चात उस पर आबकारी अधिनियम 34/2 के तहत मामला दर्ज हुआ था और वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था

पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दबिश देकर उसे हिरासत में लिया है। स्थानीय राजनीति में सक्रिय रहे अजयपाल लोधी की इस गिरफ्तारी को क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस की एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

पुलिस द्वारा देवेन्द्रनगर थाना अन्तर्गत नाबालिक बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पठानकोट पंजाब से किया गया गिरफ्तार

पन्ना। पुलिस द्वारा थाना देवेन्द्रनगर क्षेत्र अंतर्गत नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के प्रकरण में कार्रवाई करते हुए आरोपी को पठानकोट (पंजाब) से गिरफ्तार किया गया है।

दिनांक 23.02.2026 को एक 14 वर्षीय नाबालिग बालिका द्वारा थाना देवेन्द्रनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसमें पड़ोस में रहने वाले आरोपी द्वारा, जब वह घर पर अकेली थी, उसके साथ जबरन दुष्कर्म किए जाने की शिकायत की गई थी। प्रकरण में धारा 65(1), 332(बी) बीएनएस एवं 3/4(2) पॉक्सो एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले में पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा फरार आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए गए। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना सिंह चौहान एवं एसडीओपी पन्ना श्री एस.पी. सिंह बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उनि संतोष सिंह यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई।

पुलिस टीम द्वारा विवेचना के दौरान फरियादिया एवं साक्षियों के कथन लिए गए, घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए तथा फरार आरोपी की तलाश हेतु लगातार प्रयास किए गए। सायबर सेल पन्ना से तकनीकी सहायता प्राप्त की गई। मुखबिर सूचना एवं तकनीकी इनपुट के आधार पर आरोपी के पठानकोट (पंजाब) में होने की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उनि संतोष सिंह यादव, उनि सोनम शर्मा, सउनि बृजमोहन सिंह, प्र.आर. शिवस्वरूप तिवारी, आरक्षक अमित बागरी एवं सायबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा।

केडी द डेविल के निर्देशक ने खोले राज

नोरा के गाने सरके चुनर विवाद को किया खारिज, बोले- मैं ऐसा क्यों...

फिल्म केडी द डेविल के गाने सरके चुनर को लेकर काफी विवाद हो गया है। गाने के बोलों की वजह से लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं आईं और अभिनेत्री नोरा फतेही के खिलाफ कथित फतवे तक की बातें सामने आईं। अब केडी द डेविल के निर्देशक प्रेम ने इस विवाद पर अपनी राय पेश की है।

कई लोग कह रहे हैं कि यह विवाद फिल्म को प्रमोट करने के लिए जानबूझकर रचाया गया है, लेकिन फिल्म के निर्देशक प्रेम ने इस बात से साफ इनकार किया है। हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर के अनुसार, केडी द डेविल के निर्देशक प्रेम ने कहा, मैं कोई विवाद नहीं चाहता। मेरी फिल्म भावनात्मक कहानी पर बनी है। यह गाना सिर्फ पार्टियों में नाचने के लिए बनाया गया था। कर्नाटक और केरल में तो लोगों को यह गाना बहुत पसंद आया है। मैं विवाद क्यों खड़ा करूंगा?

निर्देशक प्रेम का कहना है कि मूल गीत उन्होंने कन्नड़ भाषा में लिखा था। हिंदी अनुवाद गीतकार रकीब आलम ने किया था। उन्होंने स्वीकार किया कि विवादित शब्दों की उन्हें जानकारी नहीं थी क्योंकि वह हिंदी में ज्यादा अच्छे नहीं हैं। प्रेम ने कहा, मैं एक गांव से हूं, जहां गाने में जो भाषा इस्तेमाल हुई है, वह गांव में बातचीत में इस्तेमाल होती है। यह आम भाषा है।

कई लोग कह रहे हैं कि यह विवाद फिल्म को प्रमोट करने के लिए जानबूझकर रचाया गया है, लेकिन फिल्म के निर्देशक प्रेम ने इस बात से साफ इनकार किया है। हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर के अनुसार, केडी द डेविल के निर्देशक प्रेम ने कहा, मैं कोई विवाद नहीं चाहता। मेरी फिल्म भावनात्मक कहानी पर बनी है। यह गाना सिर्फ पार्टियों में नाचने के लिए बनाया गया था। कर्नाटक और केरल में तो लोगों को यह गाना बहुत पसंद आया है। मैं विवाद क्यों खड़ा करूंगा?

फिल्म निर्माताओं ने बताया कि विवादित लाइनों को बदल दिया गया है और नया संस्करण अब सेंसर बोर्ड को भेज दिया जाएगा। फिल्म के निर्माता ने कहा, %अगर किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मुझे बेहद अफसोस है। हमारी फिल्म को गाने के एक छोटे से मुद्दे की वजह से इतना विवाद झेलना पड़ा। इसे अनावश्यक रूप से बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया गया है। दुनिया में इतनी बड़ी समस्याएं हैं, युद्ध चल रहे हैं, एलपीजी गैस की समस्या है, फिर भी एक गाने पर इतना बड़ा विवाद क्यों खड़ा किया जा रहा है? फिल्म केडी– द डेविल प्रेम द्वारा निर्देशित एक पैन–इंडिया एक्शन ड्रामा फिल्म है। यह 1970 के दशक के बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में ध्रुव सरजा मुख्य भूमिका में हैं। इसमें संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी और नोरा फतेही भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'हॉलीवुड में भी ऐसा होता है', अक्षय कुमार ने 26 साल छोटी वामिका के साथ रोमांस करने की आलोचनाओं पर दिया जवाब

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में है। फिल्म की पूरी टीम प्रमोशन में जुटी हुई है। हाल ही में फिल्म का एक रोमांटिक सॉन्ग रिलीज किया गया, जिसमें अक्षय कुमार वामिका गब्बी के साथ नजर आ रहे हैं। अब 58 साल के अक्षय कुमार और 32 साल की वामिका गब्बी के बीच 26 साल उम्र का फासला होने को लेकर एक बहस छिड़ गई है। कई लोगों ने 26 साल छोटी वामिका के साथ रोमांस करने पर अक्षय कुमार की आलोचना की। अब अक्षय कुमार ने इन आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी है। न्यूज 18 के साथ बातचीत के दौरान जब अक्षय से इन आलोचनाओं को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'तो क्या है? हमने पहले कभी देखा नहीं है क्या? हॉलीवुड में भी ऐसा होता है। कभी-कभी स्क्रिप्ट की जरूरत होती है। वास्तविक जीवन में भी बहुत से लोग अपने से बड़े या छोटे जीवनसाथी से शादी करते हैं।' 'भूत बंगला' के निर्देशक प्रियदर्शन ने भी इस मामले पर अपनी राय देते हुए कहा कि एमजीआर और एनटीआर जैसे लोग अक्सर कहते थे कि वास्तविक उम्र और फिल्मी उम्र में बहुत अंतर होता है। किसी अभिनेता की फिल्मी उम्र उसकी असली उम्र को नहीं दर्शाती। लोग अभिनेताओं को उनकी फिल्मी उम्र के साथ

भी स्वीकार करते हैं और उन्हें इसमें कोई परेशानी भी नहीं है। शूटिंग के दौरान हो सकता है कि लोग किसी जोड़ी को देखें और महसूस करें कि वे सही नहीं हैं। यह फैसला उनकी उम्र के अंतर से जुड़ा नहीं हो सकता है। प्रियदर्शन ने आगे कहा कि जब मैं अक्षय या तब्बू के साथ शूटिंग करता हूं, तो मुझे उन्हें देखने में कभी कोई दिक्कत नहीं होती। जब दर्शक फिल्म देखते हैं, तो मुझे पता चलता है कि उन्हें भी कोई दिक्कत नहीं होती।

करण जौहर के 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन का हिस्सा होंगी नेहा धूपिया?

करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन की घोषणा हो चुकी है। इसके बाद से ही लगातार दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसमें कई सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं। अभिनेत्री नेहा धूपिया के भी 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने की चर्चाएं थीं। अब अभिनेत्री ने खुद इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है।

'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में बतौर कंटेस्टेंट अपने नाम को लेकर चल रही अफवाहों पर नेहा धूपिया ने विराम लगा दिया है। नेहा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करके इस मामले को स्पष्ट किया। उन्होंने लिखा, 'न तो मैं ट्रेटर हूं और न ही इन्नोसेंट। मैं बस डबल डेट पर जाने में व्यस्त हूं। जल्द आ रहा है।' अपनी पोस्ट के जरिए नेहा ने न सिर्फ करण जौहर के शो का हिस्सा होने से इनकार किया, बल्कि एक आगामी प्रोजेक्ट की ओर भी इशारा किया। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन उनकी पोस्ट ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है। 'द ट्रेटर्स' की शूटिंग फिलहाल राजस्थान में चल रही है। कई मशहूर हस्तियों के नाम संभावित प्रतियोगियों के तौर पर ऑनलाइन सामने आ रहे हैं। नेहा का नाम भी शो में शामिल होने की अफवाहों में था। लेकिन फिलहाल अब नेहा धूपिया ने इस शो का हिस्सा होने से साफ इनकार कर दिया है। 'द ट्रेटर्स' के संभावित कंटेस्टेंट में कई हस्तियों के नाम चर्चा में बने हुए हैं। इनमें लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा कथित तौर पर द ट्रेटर्स में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

'धुरंधर 2' के बाद 'बिलेनियर' बनेंगे अर्जुन रामपाल, हंसल मेहता के साथ करेंगे अगली सीरीज

'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है, इस फिल्म की सफलता में अर्जुन रामपाल का भी हाथ है। फिल्म में उन्होंने मेजर इकबाल का खूंखार रोल किया है। अर्जुन रामपाल के अभिनय को खूब सराहा गया। इस फिल्म की सफलता के बीच अर्जुन रामपाल के पास कई नए प्रोजेक्ट्स भी आ रहे हैं। जल्द ही वह 'बिलेनियर' नाम की सीरीज में नजर आएंगे। इस सीरीज को लेकर अर्जुन रामपाल भी काफी एक्साइटेड हैं।

अर्जुन रामपाल सीरीज 'बिलेनियर' में एक दमदार किरदार करेंगे। इस सीरीज को जाने माने फिल्ममेकर हंसल मेहता और रॉबी ग्रेवाल बनाएंगे। सीरीज 'बिलेनियर' की कहानी अनुभव चोपड़ा और शांतनु सागर ने लिखी है। ऑलमाइटी मोशन पिक्चर के बैनर तले प्रभलीन संधू इसे प्रोड्यूस कर रही हैं।

इस सीरीज का हिस्सा बनकर अर्जुन रामपाल काफी खुश हैं, एक प्रेस नोट में उन्होंने कहा, 'मैं इस प्रोजेक्ट को लेकर सचमुच बहुत उत्साहित हूं। इस तरह का किरदार निभाने का मौका हर रोज नहीं मिलता, जब ऐसा मौका मिलता है, तो आप उसे दोनों हाथों से लपक लेते हैं। बेहतरीन फिल्ममेकर हंसल मेहता और रॉबी ग्रेवाल के साथ काम करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मुझे यकीन नहीं हो रहा कि यह सपना जल्द ही पूरा होने वाला है।' अर्जुन रामपाल की अपकमिंग सीरीज 'बिलेनियर' अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज की रिलीज डेट को लेकर अभी कोई अपडेट शेयर नहीं कियागया है। इस सीरीज की कहानी एक ऐसे बिलेनियर की है, जो महत्वाकांक्षी है और सत्ता और सफलता के लिए कुछ भी कर सकता है।

'धुरंधर 2' की कमाई में गिरावट, 600 करोड़ क्लब के करीब पहुंची

'धुरंधर 2' ने छठे दिन 56.55 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, जबकि पांचवें दिन इसने 65 करोड़ रुपये कमाए थे। जबकि ओपनिंग डे पर इसने 102.55 करोड़ रुपये कमाए थे। इस तरह देखा जाए तो अब इसका कलेक्शन आधा हो गया है। फिल्म के कुल कलेक्शन की बात करें तो इसने अब तक 576.32 करोड़ रुपये अपने खाते में बटोर लिए हैं। फिल्म 'धुरंधर 2' ने कमाई के मामले में कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ दिए है, इसने 'बॉर्डर 2' और 'पीके' जैसी फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पार कर लिया है।

फिल्म 'धुरंधर 2' ने अपने शुरुआती कलेक्शन से बॉक्स ऑफिस हिलाकर रख दिया था। यह 600 करोड़ रुपये के कलेक्शन के करीब पहुंचने वाली है। फिल्म ने रिलीज के छठे दिन कितना कमाया? साथ ही किन फिल्मों के रिकॉर्ड को तोड़ा है। इसके अलावा फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' का कलेक्शन कितना रहा, क्या यह 'धुरंधर 2' का मुकाबला कर सकी है।

'धुरंधर 2' ने छठे दिन 56.55 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, जबकि पांचवें दिन इसने 65 करोड़ रुपये कमाए थे। जबकि ओपनिंग डे पर इसने 102.55 करोड़ रुपये कमाए थे। इस तरह देखा जाए तो अब इसका कलेक्शन आधा हो गया है। फिल्म के कुल कलेक्शन की बात करें तो इसने अब तक 576.32 करोड़ रुपये अपने खाते में बटोर लिए हैं।

फिल्म 'धुरंधर 2' ने कमाई के मामले में कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ दिए है, इसने 'बॉर्डर 2' और 'पीके' जैसी फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पार कर लिया है। 'पीके' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 507 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन किया था। वहीं 'बॉर्डर 2' ने भी 329.43 करोड़ रुपये की कुल कमाई की थी।

'धुरंधर 2' ने वर्ल्डवाइड कलेक्शन में भी बाजी मार ली है। इसने 915.90 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। रणवीर सिंह की फिल्म ने 'बॉर्डर 2' और कांतारा 2 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन को पार कर लिया है। फिल्म 'बॉर्डर 2' ने वर्ल्डवाइड कुल 464.50 करोड़ रुपये कमाए थे। देखा जाए तो 'धुरंधर 2' ने वर्ल्डवाइड 'बॉर्डर 2' से दोगुनी कमाई की है। वहीं पिछले साल रिलीज हुई कांतारा 2 ने 852.36 का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था।

मर्यादा पुरुषोत्तम का शंखनादः रामसेतु पार कर लंका की धरती पर उतरी वानर सेना

समुद्र लांघने के संकल्प से अधर्म के अंत की शुरुआत; श्रीराम कथा के सप्तम दिवस में श्रद्धालु हुए भावविभोर

इटारसी। श्रीराम जन्म महोत्सव के अंतर्गत आयोजित श्रीराम कथा के सप्तम दिवस पर धर्म और अधर्म के महासंग्राम का भावपूर्ण चित्रण किया गया। कथा में बताया गया कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने अपनी वानर सेना के साथ समुद्र पर बने रामसेतु को पार कर लंका की भूमि पर प्रवेश किया, जिससे अधर्म के अंत की उल्टी गिनती शुरू हो गई।

श्रीमद प्रयागपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ओंकारानंद सरस्वती जी महाराज ने श्री द्वारकाधीश बड़ा मंदिर परिसर, तुलसी चौक में आयोजित कथा में प्रवचन देते हुए कहा कि रामसेतु केवल पत्थरों का पुल नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास और संकल्प का प्रतीक है। जब हृदय में राम का नाम होता है, तब असंभव भी संभव हो जाता है।

महाराज श्री ने वाल्मीकि और तुलसीदासकृत रामायण के प्रसंगों को विस्तार से बताते हुए कहा कि जब जामवंत के नेतृत्व में वानर सेना को दक्षिण तट पर माता सीता के होने के संकेत मिले, तब पवनपुत्र हनुमान अपनी शक्ति को भूल चुके थे। जामवंत ने उन्हें उनकी सामर्थ्य का स्मरण कराया और हनुमान ने एक ही छलांग में समुद्र पार कर लंका पहुंचकर माता सीता का पता लगाया। उन्होंने बताया कि हनुमान द्वारा लंका दहन केवल एक घटना नहीं, बल्कि रावण के अहंकार को चेतावनी थी कि अब रघुकुल का कोप शांत नहीं होगा। यह घटना पीड़ितों के लिए आशा और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक बन गई। कथा में आगे बताया गया कि जब समुद्र मार्ग अवरुद्ध था, तब श्रीराम के अटूट संकल्प और वानर सेना के अथक परिश्रम से नल-नील के निर्देशन में पत्थरों पर 'राम' नाम अंकित कर सेतु का निर्माण किया गया। जैसे ही श्रीराम अपनी सेना के साथ सेतु पार कर लंका पहुंचे, पूरा वातावरण 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूंज उठा। अशोक वाटिका में विराजमान माता सीता के लिए हनुमान का पहुंचना किसी संजीवनी से कम नहीं था। यह प्रसंग भक्तों के लिए आस्था, धैर्य और विश्वास का संदेश देता है। आयोजन समिति के प्रवक्ता भूपेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि मुख्य संरक्षक क्षेत्रीय विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा एवं संरक्षक प्रमोद पगारे के मार्गदर्शन में आयोजित इस कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। सप्तम दिवस पर भी व्यासपीठ पर विराजमान महाराज श्री का पूजन एवं स्वागत समिति पदाधिकारियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भजनों की मनमोहक प्रस्तुति ने वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया। हारमोनियम पर दिलीप जी, तबले पर दीपक दुबे और बैंजो पर श्रीराम जी के साथ अन्य कलाकारों ने भक्ति रस की धारा प्रवाहित की।

पुलिस लाइन नर्मदापुरम में 'वर्धमान फैब्रिक्स' द्वारा सुसज्जित बैडमिंटन हॉल का भव्य उद्घाटन

नर्मदापुरम। जिला पुलिस लाइन नर्मदापुरम में गुरुवार को एक गरिमामयी और उत्साहपूर्ण वातावरण में 'वर्धमान फैब्रिक्स, बुधनी' द्वारा निर्मित अत्याधुनिक सुसज्जित बैडमिंटन हॉल का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग एवं औद्योगिक संस्था के बीच सहयोग की एक उत्कृष्ट मिसाल देखने को मिली।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), जोन, मिथिलेश शुक्ला ने विधिवत रिबन काटकर बैडमिंटन हॉल का लोकार्पण किया तथा उद्घाटन पट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस की ड्यूटी अत्यंत चुनौतीपूर्ण, तनावपूर्ण और अनिश्चितताओं से भरी होती है, ऐसे में शारीरिक और मानसिक फिटनेस बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार की खेल सुविधाएं पुलिस बल को न केवल स्वस्थ बनाए रखेंगी, बल्कि उनके मनोबल और कार्यक्षमता में भी वृद्धि करेंगी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) प्रशांत खरे उपस्थित रहे। वहीं पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन एवं रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस अवसर पर वर्धमान फैब्रिक्स, बुधनी के प्लांट हेड एच. एम. त्रिपाठी एवं उनकी टीम भी उपस्थित रही। उन्होंने बताया कि यह बैडमिंटन हॉल पुलिस विभाग को समर्पित करते हुए उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। यह पहल कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य समाज के उन वर्गों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जो निरंतर सेवा में लगे रहते हैं। नवनिर्मित बैडमिंटन हॉल अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें प्रोफेशनल बैडमिंटन मैट, उच्च गुणवत्ता वाली प्रकाश व्यवस्था तथा खेल के अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है, जिससे पुलिस कर्मियों को उत्कृष्ट अभ्यास और खेल का अवसर मिल सके। वर्ष 2025-26 की पट्टिका इस हॉल की स्थापना को ऐतिहासिक रूप से चिह्नित करती है। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने हॉल का निरीक्षण किया और खिलाड़ियों से संवाद भी किया। उपस्थित पुलिस कर्मियों ने इस पहल के लिए वर्धमान फैब्रिक्स का आभार व्यक्त किया।

संकल्प से समाधान अभियान का भव्य समापनः इटारसी में पट्टा वितरण और हितलाभ कार्यक्रम से सैकड़ों चेहरे खिले

इटारसी। नगर पालिका परिषद इटारसी में गुरुवार को संकल्प से समाधान अभियान के समापन अवसर पर एक भव्य एवं जनहितकारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आम नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान पट्टा वितरण कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहा, वहीं विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, नायब तहसीलदार, सीएमओ रितु मेहरा, वरिष्ठ पार्षद शिवकिशोर रावत सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और लंबित आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना रहा।

समारोह के दौरान कुल 40 हितग्राहियों को भूमि पट्टे वितरित किए गए, जिससे उन्हें स्थायी स्वामित्व का अधिकार प्राप्त हुआ। इसके अलावा 22 लोगों को धारणाधिकार, 2 हितग्राहियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ, 30 को पेंशन योजना, 15 को राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना तथा 4 हितग्राहियों को संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही अन्य योजनाओं के लाभ भी पात्र व्यक्तियों को वितरित

किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक मजबूत माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ योजनाएं घोषित करना नहीं, बल्कि हर पात्र हितग्राही तक उनका वास्तविक लाभ पहुंचाना है। इटारसी में इतने बड़े स्तर पर आवेदनों का निराकरण इस बात का प्रमाण है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने अपने संबोधन में कहा कि नगर पालिका परिषद इटारसी द्वारा शासन की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से हजारों लोगों को सीधा लाभ मिला है और आगे भी यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा, ताकि शहर का समग्र एवं संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके।

स्वनिधि योजना में बड़ी उपलब्धि- प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत नगर पालिका इटारसी ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए अब तक 5412 शहरी पथ विक्रेताओं को कुल 8 करोड़ 88 लाख रुपए का ऋण विभिन्न बैंकों के माध्यम से वितरित किया है। इसमें 15 हजार रुपए के 3601 हितग्राहियों को 3.74 करोड़ रुपए, 25 हजार रुपए के 1336 हितग्राहियों को 2.74 करोड़ रुपए तथा 50 हजार रुपए के 475 हितग्राहियों को 2.37 करोड़ रुपए का ऋण प्रदान किया गया। यह योजना आज भी निरंतर जारी है और नए पात्र हितग्राहियों को जोड़ा जा रहा है। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत नगर पालिका क्षेत्र में कुल 12,283 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनका समयबद्ध तरीके से निराकरण करते हुए पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया गया। यह अभियान 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक चार चरणों में संचालित किया जा रहा था, लेकिन प्रभावी कार्यप्रणाली के चलते इसे निर्धारित समय से पूर्व ही पूर्ण कर लिया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के लक्ष्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन करें सुनिश्चितः अपर मुख्य सचिव

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के लक्ष्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को जल गंगा संवर्धन अभियान के लिये शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करते हुए उद्देश्यों को प्रभावी रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रस्तोगी विकास भवन, भोपाल में आयोजित समीक्षा बैठक में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान-2026÷ के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की विभागवार प्रगति की समीक्षा कर रही थीं। बैठक में आयुक्त म.प्र. राज्य रोजगार गारंटी परिषद श्री अवि प्रसाद ने सहभागी विभागों के उपस्थित अधिकारियों को बताया कि अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग के लिए एक सिंगल डैशबोर्ड विकसित किया जा रहा है। इससे विभागों की प्रगति की नियमित समीक्षा के साथ विभागवार रैंकिंग भी की जाएगी।सहभागी विभागों द्वारा अभियान अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। एमआईएस पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विभागों ने अपने कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं जल प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने और जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल मासिक व्याख्यानमाला

मीडिया खबरों के प्रसारण में सत्यता और सतर्कता बरते राष्ट्रहित सर्वोपरी हो : उमेश गुप्ता

भोपाल। रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल द्वारा आयोजित मासिक व्याख्यानमाला होटल विज्ञापश्री में आयोजित की गई जिसमें अतिथि वक्ता उमेश गुप्ता संपादकीय सलाहकार एवं उपाध्यक्ष टीवी 27 ने वर्तमान ईरान इजराइल अमेरिका विवाद में मीडिया की भूमिका पर व्याख्यान दिया। उन्होंने ने कहा चाहे इलेट्रॉनिक मीडिया ही या प्रिंट मीडिया अपनी खबरों में सत्यता के साथ सतर्कता भी बरतनी चाहिए राष्ट्रहित सर्वोपरी है विरोधाभाषी खबरें ओर चर्चाएं जनता को भ्रमित करती है पी आर बढ़ाने की दौड़ में टीवी डिबेट में स्तरहीन संवाद एवं भ्रमित विमर्श गड़ना चिंता का विषय है इसके लिए मीडिया संस्थानों को स्वमेव नियंत्रण करना होगा। उमेश गुप्ता ने श्रोताओं के भी सवालों के उत्तर दिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में क्लब अध्यक्ष विश्वास घूसे ने स्वागत भाषण दिया एवं ऋतु राज परमार मानद सचिव ने मासिक गतिविधियों की जानकारी दी । व्याख्यानमाला में वरिष्ठ रोटेरियन

सुनिल भार्गव श्रीमती कुमुद तिवारी मनोज झा जी के छिब्बर पलाश सुरजन आर जी द्विवेदी रोहित पांडे एवङ्ग 50 रोटेरियन परिवार सहित उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन ने सुनील भार्गव रोटेरियन ने किया।

इंदौर संभाग में जल गंगा संवर्धन अभियान को मिल रहा जनआंदोलन का रूप

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेशभर में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के अंतर्गत इंदौर संभाग में जल संरक्षण एवं संवर्धन को जनआंदोलन का रूप मिल रहा है। इंदौर संभाग में अभियान के तहत विभिन्न नवाचारपूर्ण गतिविधियों, जनभागीदारी कार्यक्रमों तथा जागरूकता प्रयासों के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है।

कलेक्टर बड़वानी श्रीमती जयति सिंह ने बताया है कि देशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभिया के अंतर्गत बड़वानी जिले के जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर पालिका परिषद बड़वानी द्वारा मोटी माता स्थित प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई के लिए विशेष श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका के कर्मचारियों, स्वच्छता मित्रों, विधिक सेवा प्राधिकरण और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर प्राचीन बावड़ी परिसर में व्यापक श्रमदान कर बावड़ी से गंदगी, कचरा और गाद को बाहर निकाला गया, जिससे पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित कर जलस्तर में सुधार लाया जा सके।

कलेक्टर झाबुआ श्रीमती नेहा मीणा ने बताया है कि जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा श्रमदान कर तालाब में गाद निकासी के कार्य से की गई। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। अभियान अंतर्गत जिले की 65 ग्राम पंचायतों में जनसहयोग से जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य प्रारंभ किए गए हैं। अब तक लगभग 330 ट्राली मिट्टी तालाबों से निकालकर किसानों द्वारा अपने खेतों में उपयोग की जा चुकी है, जिससे एक ओर जल स्रोतों की गहराई बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर भूमि की उर्वरता में भी वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत अपूर्ण कार्यों को भी गति प्रदान की गई हैं।

धार जिले में भी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत जल स्रोतों के संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन की गतिविधियां निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड कुक्षी और धरमपुरी में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन-जागरूकता का प्रसार किया गया। कुक्षी के ग्राम भत्यारी में नर्मदा की सहायक नदी ओझर पर निर्मित बांध पर ÷नव शक्ति से नव भक्ति÷ कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित जनसमूह ने जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और उनके संवर्धन का संकल्प लिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को जल की महत्ता और उसके संचयन के प्रति संवेदनशील बनाना रहा। इसी तरह विकासखंड धरमपुरी की ग्राम पंचायत डहीवर में नवांकुर सखियों द्वारा पीपल के वृक्ष का पूजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को वृक्षों के धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

मध्यप्रदेश पुलिस की साइबर अपराधों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

पांच दिनों में त्वरित कार्रवाई कर 18 आरोपियों को किया गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सायबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में विगत चार दिनों में पुलिस ने विभिन्न जिलों में म्यूल अकाउंट, फर्जी सिम, क्रिप्टो ठगी एवं डिजिटल फ्रॉड के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्यवाहियों में न केवल अंतर्राज्यीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित नेटवर्क का खुलासा हुआ है,साथ ही ठगी की गई राशि की वापसी भी सुनिश्चित की गई है। अनूपपुर जिले में म्यूल अकाउंट के माध्यम से पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 07 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि गिरोह भोले-भाले लोगों के बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम कार्ड, सिम कार्ड एवं पासबुक अपने कब्जे में लेकर उन्हें मुंबई के माध्यम से दुबई स्थित सरगना तक पहुंचाता था। इन खातों के जरिए प्रतिदिन लाखों रुपये के अवैध ट्रांजेक्शन किए जा रहे थे। कार्रवाई के दौरान 165 एटीएम कार्ड, 23 सिम कार्ड, 20 पासबुक, 05 चेकबुक, 18 मोबाइल फोन, 01 लैपटॉप एवं 01 राउटर जप्तकिए गए। नर्मदापुरम जिले के थाना सिवनी मालवा में मोबाइल गुम होने के बाद बैंक खातों से 2.78 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में पाया गया कि आरोपियों ने मोबाइल व सिम का दुरुपयोग कर यूपीआई के माध्यम से विभिन्न कियोस्क सेंटरों से चरणबद्ध तरीके से राशि आहरित की। तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। ग्वालियर में साइबर क्राइम ने एक शासकीय शिक्षक के साथ हुई 97हजार रूपएकी क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी के मामले में त्वरित तकनीकी विश्लेषण कर राशि को फ्रीज कराया तथा विधिक प्रक्रिया पूर्ण कर संपूर्ण राशि पीड़ित के खाते में वापस कराई। वहीं एक अन्य प्रकरण में क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट के नाम पर 1 करोड़ 41 लाख रूपएकी ठगी करने वाले गिरोह के दो आरोपियों को बड़वानी एवं देवास से गिरफ्तार किया गया, जो किराए पर बैंक खाते उपलब्ध कराकर साइबर अपराधियों की सहायता कर रहे थे।

सीहोर जिले के थाना बुधनी में आधार कार्ड के दुरुपयोग कर फर्जी सिम कार्ड जारी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपियों द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर 32सिम कार्ड जारी किए गए थे, जिनमें से 15सिम की पुष्टि हो चुकी है। प्रकरण में आईटी एक्ट एवं भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। बुरहानपुर में साइबर सेल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए हाई रिटर्न ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट के नाम पर पीड़ित से ठगी गई3लाख 90हजार 400रूपए राशि में से 1लाख 28हजार 940रूपएकी राशि वापस कराई गई।

विद्युत वितरण कंपनी की चेतावनी, शार्ट सर्किट को हल्के में न लें, तुरंत ठीक करवाएं

भोपाल। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आमजन को आगाह किया है कि घर अथवा संस्थान में कहीं भी शार्ट सर्किट हो रहा है तो उसे हल्के में न लें, बल्कि तुरंत इलेक्ट्रिशियन को बुलाकर ठीक करवाएं। ऐसे में जरा सी असावधानी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसके लिए आमजनों को भी करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम में सहयोग करना आवश्यक है।कंपनी ने कहा है कि यदि घरों में अर्थिंग नहीं है तो वायरिंग के पहले अर्थिंग जरूर दें। इसके साथ ही घटिया या सस्ती वायरिंग की बजाय मानक स्तर की वायरिंग करवाएं, जिससे शार्ट सर्किट से होने वाली हानियों से बचा जा सके। एक अनुमान के मुताबिक ज्यादातर शार्ट सर्किट की घटनाएं या तो घटिया वायरिंग के कारण होती हैं, या फिर ज्यादा समय से पुरानी वायरिंग होने के चलते शार्ट सर्किट की घटनाएं होती हैं। इसलिए जरा सी लापरवाही महंगी पड़ सकती है। बिजली कंपनी आपको पुरानी वायरिंग की जगह मानक स्तर की नई वायरिंग करवाने की सलाह देती है, ताकि शार्ट सर्किट की घटनाओं से बचा जा सके। यदि विद्युत लाइनों से संबंधित किसी भी तरह की शिकायत हों तो तत्काल कॉल सेंटर के टोल फ्री नं. 1912 पर, उपाय ऐप एवं समीप के वितरण केन्द्र कार्यालय में अवश्य दें।

आदेश के बाबजूद होटल-रेस्टोरेंट को नहीं मिल रहा कमर्शियल गैस सिलेंडर

भोपाल। केंद्र सरकार के दिशा निर्देश पर राज्य सरकार द्वारा बीते दिनों आदेश जारी किया गया है कि होटल-रेस्टोरेंट संचालकों को 9 फीसदी कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति होगी। लेकिन भोपाल होटल-रेस्टोरेंट

व्यवसायी एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने कहाकि आदेश जारी होने के बाबजूद दूसरे दिन भी होटल-रेस्टोरेंट व्यवसायी को कमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि 13 दिनों से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति ठप होने से बाद प्रशासन द्वारा कमर्शियल गैस

सिलेंडर की आपूर्ति देने का आदेश कंपनियों को दिया गया, लेकिन कंपनियों और कंपनियों की गैस एजेंसियों द्वारा होटल-रेस्टोरेंट को अभी भी सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने कहाकि कमर्शियल गैस सिलेंडर नहीं मिलने से राजधानी भोपाल में 2 हजार से अधिक और समूचे मध्यप्रदेश में 50 हजार से अधिक होटल और रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि कई छोटे व्यवसायियों को अपनी दुकानें बंद करनी पड़ी हैं। कारोबार चौपट होने की कगार पर पहुंच चुका है, जिससे व्यापारियों में नाराजगी बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने रेस्तरां, ढाबों और कैंटीनों के लिए 20 प्रतिशत गैस कोटा आवंटित करने के निर्देश दिए थे। भोपाल में 23 मार्च को सरकारी आदेश जारी हुआ और होटल -रेस्टोरेंट वालों को 9 फीसदी सिलेंडर की बात कही गई, इसके बावजूद व्यवसायी को सिलेंडर नहीं मिला। व्यापारियों ने इसे अव्यावहारिक बताते हुए कहाकि खाना पकाने के लिए हाई प्रेशर गैस की जरूरत होती है और डीजल या केरोसिन के इस्तेमाल से खाने की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)